दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-190 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 06 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

नर्मदा महाविद्यालय से सर्किट हाउस तक के मार्ग का नाम सिन्हाजी के नाम पर हुआ

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्यकार, मूर्धन्य पत्रकार, कवि, लेखक, सातियकार, समाजसेवी स्व. श्री विचित्र कुमार सिन्हा जी के नाम के बोर्ड का लोकापर्ण हुआ

जीवन में कृतज्ञता का विशेष महत्व है- विधायक डॉ सीतासरन शर्मा

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। जीवन में कृतज्ञता का विशेष महत्व होता है। सिन्हा जी ने आजादी के आंदोलन में जो देश के लिए किया वह कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके नाम पर मार्ग का नामकरण किया जाना हम सबका दायित्व है। उनके द्वारा किए गए कर्तव्य के मुकाबले यह बहुत छोटा कार्य है। उनके पुत्र के.के सक्सेना और पोता विलक्षण सक्सेना के द्वारा जो स्मृति को संजोया जा रहा है। यह समाज के लिए अनुकरणीय पहल है। स्वतंत्रता संगाम के दौरान नर्मदापुरम श्री सिन्हा जी की कर्मभूमि रही है। उनका कार्य क्षेत्र बहुत व्यापक रहा है। हर समाज में साहित्य का विशेष महत्व होता है। मुझे सिन्हाजी के कार्यक्रम से जुड़ने का अवसर पिछले एक दशक से भी ज्यादा हो गए हैं। उनकी स्मृति के कार्यक्रम में बड़े बड़े दिग्गज आते हैं। यह बात पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदापुरम विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्यकार, मूर्धन्य पत्रकार, कवि, लेखक, चित्रकार, समाजसेवी स्व. श्री विचित्र कुमार सिन्हा जी की पुण्य स्मृति में 5 सितंबर को नर्मदा महाविद्यालय के कांफ्रेंस सभागार में कही। समारोह के उपरांत नर्मदा महाविद्यालय के सामने के मार्ग का नामकरण स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्यकार, मूर्धन्य पत्रकार, कवि, लेखक, चित्रकार, समाजसेवी स्व. श्री विचित्र कुमार सिन्हा जी के नाम के बोर्ड का लोकापर्ण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव ने की। विशेष अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र यादव, नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा, भोपाल से आए श्री सिन्हाजी के परिजन, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राम कुमार चौकसे, कालेज के प्रोफेसर, विद्यार्थी, शहर के साहित्यकार, पत्रकार, कायस्थ समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्यों के साथ आयोजन समिति के अध्यक्ष दैनिक क्षितिज किरण समूह के प्रधान संपादक केके सक्सेना, दैनिक क्षितिज किरण के निदेशक समिति सचिव विलक्षण सक्सेना, संरक्षक पं गिरिमोहन गुरू , उपाध्यक्ष बलराम शर्मा, अभय वर्मा, सांस्कृतिक सचिव विजय प्रकाश श्रीवास्तव, तुकाराम यादवेश, भानू प्रकाश श्रीवास्तव, मनोज सोनी, पंकज शुक्ला, कोषाध्यक्ष श्रीमती भावना सक्सेना (ब्यूरो प्रमुख), राजीव खरे, अजय निगम, सजेंद्र श्रीवास्तव, सुश्री खुशबू बूलचंदानी, गजेंद्र राजपूत, सहित अनेक नागरिक लगातार और तेज बारिश के बाद भी शामिल रहे।

सिन्हाजी का आजादी के लड़ाई में विशेष योगदान रहा है-नीतू महेंद्र यादव

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव ने कहा कि आज शिक्षक दिवस है पत्रकार भी गुरू होते हैं। सिन्हाजी का आजादी के लड़ाई में विशेष योगदान रहा है। यह हमारा सौभाग्य है कि उनके नाम से नर्मदा महाविद्यालय से सर्किट हाउस तक का नाम विचित्र कुमार सिन्हा मार्ग रहेगा। यह निर्णय पूरी परिषद ने लिया है।

कार्यकारिणी सदस्यों का किया सम्मान

विचित्र कुमार सिन्हा स्मृति समरोह समिति के सदस्यों का सम्मान अतिथियों के द्वारा किया गया। आयोजन समिति द्वारा अतिथियों का शाल एवं स्मृति चिन्ह के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन विलक्षण सक्सेना, स्वागत भाषण बलराम शर्मा तथा आभार प्रदर्शन अभय वर्मा ने किया। समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। सभा के पश्चात अतिथियों एवं आयोजन समिति के द्वारा महाविद्यालय के समाने वाले मार्ग के बोर्ड का लोकापर्ण किया गया। समागार में वरिष्ठ साहित्यकार पं गिरि मोहन गुरू पर केंद्रित पुस्तक सृजन -साक्षी एक झलक का विमोचन अतिथियों के द्वारा किया गया।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 2026

जहां गुरुर खत्म और गुण शुरु होते है, वहीं गुरु की दृष्टि पैदा होती है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

शिक्षक दिवस पर प्रदेश के 33 उत्कृष्ट शिक्षक हुए सम्मानित

भोपाल (ए.)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि बच्चों की पहली पाठशाला उसका घर होती है। माता-पिता उन्हें प्रारंभिक शिक्षा और संस्कार देते हैं, लेकिन वास्तव में शिक्षक ही बच्चों को ज्ञान और संस्कारों से परिपूर्ण करते हैं। राष्ट्र निर्माण की भावी पीढ़ी तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों को आत्मीय भाव से पढ़ाएं। उनकी बुद्धि, क्षमता और अपेक्षाओं को समझते हुए अपनापन और सहनशीलता का व्यवहार करें। कठिनाईयों और जिज्ञासाओं को धैर्य के साथ सुनें। प्रेमपूर्वक व्यवहार करते हुए समाधान करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि बच्चे, विकसित भारत के कर्णधार हैं। शिक्षक इन कर्णधारों के शिल्पकार हैं। इसलिए शिक्षक पहले स्वयं ज्ञान और नैतिक गुणों का आदर्श व्यक्ति बनें। बच्चों में ईमानदारी, सहनशीलता, जुझारूपन आदि गुणों का विकास कर, उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करें। राज्यपाल श्री पटेल शनिवार को शिक्षक दिवस पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में हुए राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह-2026 को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान-2026 और गत वर्ष के राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान प्राप्तकर्ता शिक्षकों को सम्मानित कर सभी को शिक्षक दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। राज्यपाल श्री पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। मां सरस्वती और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। राज्यपाल श्री पटेल का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौधा भेंट कर स्वागत किया। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

दही हांडी उत्सवः पुणे में महिला की मौत, मुंबई में सात साल के गोविंदा की गई जान

पुणे (महाराष्ट्र) (आरएनएस)। पुणे के ओल्ड सांगवी इलाके में दही हांडी उत्सव के बाद हुई दुर्घटना में 45 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गई. मृतक की पहचान सलमा सलाउद्दीन पठान के रूप में हुई है. देर रात हुए इस हादसे इलाके में हड़कंप मच गया. इसी तरह, मुंबई के मलाड इलाके में दही हांडी उत्सव के दौरान सात साल के गोविंदा की मौत हो गई. अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र में दही हांडी उत्सव के दौरान दो लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक गोविंदा घायल हो गए।

पुणे पुलिस के मुताबिक, विघ्नहर्ता दही हांडी मंडल ने ओल्ड सांगवी इलाके में शुक्रवार को दही हांडी उत्सव आयोजित किया था. समारोह खत्म होने के बाद रात करीब 11 बजे, लोहे के आर्च और अन्य वस्तुओं को हटाने का काम शुरू हुआ. सलमा पठान और उनके पति सलाउद्दीन पठान मौके पर मौजूद थे।

कश्मीर में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता, पाकिस्तानी लश्कर कमांडर यासिर को मार गिराया

श्रीनगर,05 सितंबर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के यूसमर्ग इलाके में शनिवार को संयुक्त सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तानी कमांडर यासिर को मार गिराया गया। अधिकारियों के अनुसार, यासिर पहले लश्कर के सुलेमान मूसा समूह का हिस्सा था, लेकिन करीब एक साल पहले उसने इस समूह से अलग होकर अलग तरीके से काम करना शुरू कर दिया था।समूह से अलग होने के बाद यासिर यूसमर्ग इलाके में लश्कर-ए-तैयबा के एक प्रमुख कमांडर के तौर पर सक्रिय था। सुरक्षाबल लंबे समय से उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे। शनिवार को सुरक्षाबलों का यासिर से सामना हुआ, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। कार्रवाई के दौरान सुरक्षाबलों ने उसे मार गिराया।

यूसमर्ग में हुई यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों का हिस्सा है। अब सुरक्षा एजेंसियां मारे गए आतंकी यासिर के पूरे नेटवर्क, लश्कर-ए-तैयबा के अन्य आतंकियों के साथ उसके संपर्क और हाल की किसी आतंकी गतिविधि की योजना बनाने अथवा उसे अंजाम देने में उसकी भूमिका की जांच कर रही हैं।

इससे पहले शुक्रवार को मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में भी सेना और अन्य सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी आतंकी को मार गिराया गया था।

इंदौर के विकास की नई रफ्तार : लोक परिवहन के क्षेत्र में इंदौर को मिली बड़ी सौगात

मेट्रो परियोजना परिवहन तंत्र को आधुनिक बनाने के साथ ही शहर के विकास को नई गति प्रदान करेगी : मुख्यमंत्री डॉ.

भोपाल,(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर में मेट्रो ट्रेन का विस्तार केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत है। आज मेट्रो का नया चरण शुरू हुआ है और आने वाले समय में इसके और चरण पूरे होंगे। मेट्रो के माध्यम से इंदौर को उज्जैन और पीथमपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से जोड़ने का कार्य क्रमश: आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर में मेट्रो ट्रेन के नये चरण के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेट्रो के पहले चरण को मिले सकारात्मक प्रतिसाद के बाद अब इसका विस्तार शहर के अंदरूनी क्षेत्रों तक हो रहा है। यह सिलसिला लगातार आगे बढ़ेगा और आने वाले समय में मेट्रो इंदौर सहित पूरे मालवा क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को नयी दिशा देगी। इंदौर के मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा है। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 2 हजार 850 करोड़ रुपये की लागत से सुपर कॉरिडोर-3 से मालवीय नगर तक मेट्रो कॉरिडोर का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुभारंभ किया। इस दौरान कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। केंद्रीय आवास एवं शहरी राज्य मंत्री तोखन साहू, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, मधु वर्मा तथा सुश्री उषा ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण मौजूद थे।

भारत की विकास दर ने बढ़ाया देशवासियों का गौरव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के सभी क्षेत्रों में विकास के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले सामने आई आर्थिक विकास दर के आंकड़े देशवासियों का उत्साह और गौरव बढ़ाने वाले हैं। अमेरिका की विकास दर लगभग 2 प्रतिशत और चीन की 4 प्रतिशत के मुकाबले भारत की विकास दर 7.8 प्रतिशत रहना देश की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया के बड़े देशों के सामने अपने हितों और अपनी शर्तों के साथ मजबूती से अपनी बात रख रहा है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और सामर्थ्य का परिचायक है।

18 हजार 500 करोड़ की इंदौर-मनमाड़ रेल परियोजना से बनेगा नया इतिहास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर को मिली मेट्रो की सौगात के साथ ही इंदौर-मनमाड़ नई रेल लाइन के लिए 18 हजार 500 करोड़ रुपये की मंजूरी भी क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। यह परियोजना इंदौर, मालवा और पूरे मध्यप्रदेश के विकास में नया इतिहास रचेगी। उन्होंने कहा कि इस रेल परियोजना के पूर्ण होने के बाद इंदौर और मुंबई के बीच आवागमन के लिए गुजरात होकर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इंदौर से मनमाड़ के माध्यम से महाराष्ट्र और मुंबई से सीधा संपर्क स्थापित होगा। इसी प्रकार मध्यप्रदेश के अन्य क्षेत्रों से भी इंदौर और उज्जैन के बीच संपर्क और अधिक सुगम होगा।

भोपाल। महापौर मल्टी राय ने भदभड़े का गेट नंबर 6 खोल कर उद्घाटन किया।

भोपाल के कारोबारी को फ्लैट में बंधक बनाया

गर्दन पर चाकू रखकर लूटे मोबाइल-टैबलेट, करोड़ों का काम दिलाने का झांसा देकर बुलाया

भोपाल,(ए.)। भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में कंपनी में निवेश और करोड़ों रुपए का काम दिलाने का झांसा देकर एक कारोबारी को फ्लैट में बंधक बनाने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पहले कारोबारी को अपनी टीम के साथ काम करने पर कुल मुनाफे का 3 प्रतिशत देने का भरोसा दिलाया। इसके बाद उसे विदिशा ले जाकर इंटरनेट बैंकिंग की ID और पासवर्ड लिए।बाद में भोपाल लाकर कटारा हिल्स की एक मल्टी के फ्लैट में बंधक बना लिया। आरोप है कि वहां चार लोगों ने कारोबारी के दोनों हाथ पकड़कर उसकी गर्दन और पेट पर चाकू लगा दिए।

धमकाकर उसके दो मोबाइल, टैबलेट और बैंक की चेकबुक छीन ली गई। कटारा हिल्स पुलिस ने मामले में हर्ष मेहरा और रोनित राज समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ आयुध अधिनियम की धारा 25 और ब्हृस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। सेमिनिया गौंड, भदभदा रोड निवासी 47 वर्षीय यशवंत लोधी ने पुलिस को बताया कि करीब 15 दिन पहले उसके मोबाइल पर दीपक नाम के व्यक्ति का WhatsApp कॉल आया था।

उसने खुद को कारोबारी बताते हुए यशवंत की कंपनी एरोसन सोलर एंड वाटर पंप कॉन्ट्रैक्ट प्राइवेट लिमिटेड में निवेश करने की इच्छा जताई। इसके बाद उसे एमपी नगर बुलाया गया। वहां दीपक के साथ एक अन्य व्यक्ति मिला, जिसने अपना नाम हरीश दुबे बताया। दोनों ने यशवंत को बताया कि उनके पास काम करने वाली टीम है और कई बड़ी साइट हैं, जिनमें लाखों-करोड़ों रुपए का काम मिलता है। उन्होंने कहा कि उनके पास कंपनी और करंट अकाउंट नहीं है। यदि यशवंत उनके साथ काम करता है तो उसे कुल मुनाफे का 3 प्रतिशत दिया जाएगा। यशवंत के मुताबिक, अगले दिन दीपक और हरीश उसे अपने साथ विदिशा ले गए। वहां रेलवे स्टेशन के पास एक होटल में वे रुके।

भोपाल में 16 दिन बाद शिक्षक अभ्यर्थियों का अनशन खत्म, दिग्विजय ने जूस पिलाकर तुड़वाया, शिक्षा मंत्री से फोन पर की बात

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में पदवृद्धि और नियुक्ति की मांग को लेकर पिछले 16 दिनों से आंदोलन और भूख हड़ताल कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों का अनशन शनिवार को समाप्त हो गया।शिक्षक दिवस के मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह धरना स्थल पहुंचे। उन्होंने अभ्यर्थियों की समस्याएं सुनीं और स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह से फोन पर बातचीत की। मंत्री की ओर से आगामी 8 सितंबर, मंगलवार को वर्ग-2 और वर्ग-3 के अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक का आश्वासन मिलने के बाद दिग्विजय सिंह ने अभ्यर्थियों को जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि बैठक में अभ्यर्थियों की पदवृद्धि समेत अन्य मांगों पर चर्चा की जाएगी और वे स्वयं भी प्रतिनिधिमंडल के साथ मौजूद रहेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि मांगों का समाधान नहीं हुआ तो वे अभ्यर्थियों

के साथ दोबारा आंदोलन करेंगे और जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री निवास के सामने धरना भी देंगे।

शिवराज और मुख्यमंत्री का काफिला रोके जाने के बाद बढ़ी राजनीतिक हलचलशिक्षक अभ्यर्थियों का आंदोलन पिछले कुछ दिनों में राजनीतिक मुद्दा बन गया है। जन्माष्टमी के दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का काफिला रोककर अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा था। इसके अगले दिन दिग्विजय सिंह के धरना स्थल पहुंचने से मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया। दिग्विजय सिंह इससे पहले भी अभ्यर्थियों के बीच पहुंच चुके हैं। उन्होंने उस समय भी उनकी मांगों को उचित बताते हुए सरकार के सामने मुद्दा उठाने का भरोसा दिया था।

नारेबाजी पर नाराज हुए दिग्विजय

धरना स्थल पर कुछ आंदोलनकारियों की नारेबाजी पर दिग्विजय सिंह नाराज भी हुए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से शांत रहने को कहा और स्पष्ट किया कि यदि नारेबाजी जारी रही तो वे वहां से चले जाएंगे। इसके बाद आंदोलनकारी शांत हुए और दिग्विजय सिंह ने अभ्यर्थियों से बातचीत जारी रखी।

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

नीमच सिटी पुलिस ने 58 लाख 50 हजार रुपये की 11.700 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ महिला आरोपी को किया गिरफ्तार

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं नशे के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना नीमच सिटी पुलिस ने एक महिला आरोपी को 11 किलो 700 ग्राम अवैध अफीम, जिसकी अनुमानित कीमत 58 लाख 50 हजार रुपये है, के साथ गिरफ्तार किया है। 05 सितंबर को थाना नीमच सिटी पुलिस टीम ने अपराध विवेचना के दौरान आमरोड-दरक वेयर हाउस के सामने गिरदौड़ा क्षेत्र में संदेह के आधार पर एक महिला को पकड़ा। महिला के पास रखे सामान की तलाशी लेने पर उसमें कुल 11 किलो 700 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम प्राप्त हुआ। जिसे विधिवत जब्त किया। प्रकरण में थाना नीमच सिटी पर धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में अवैध अफीम उपलब्ध कराने वाले को एनडीपीएस एक्ट के तहत सहआरोपी बनाया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस नशे के कारोबार से जुड़े प्रत्येक स्तर—स्रोत, परिवहन, सप्लाई एवं तस्करी नेटवर्क—पर कार्रवाई करते हुए प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

अनुकंपा आधार पर नियुक्त कार्यालय सहायक श्रेणी -3 को सौ प्रतिशत पूर्ण वेतन दे, वेतन विसंगति दूर करें राकेश डी पी पाठक

जबलपुर/भोपाल,(ए.)। मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि एक गल्त आदेश के कारण हजारों कर्मचारी गण संविधान में मिलें समान कार्य समान वेतन से वंचित हो रहे हैं। इस विषय पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्णय के बाद भी

शासन का अभि तक आदेश न होने के कारण बिजली कंपनियों में अनुकंपा आधार पर संविदा पदों पर नियुक्त कार्यालय सहायक श्रेणी -3 कार्मिकों को नियमित पद पर नियुक्ति उपरांत कर्मचारियों को 70 प्रतिशत,80 प्रतिशत, 90 प्रतिशत वेतन दिया जा रहा है। जो कि पूर्णत: असंवैधानिक है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा स्पष्ट रूप से निर्णय दिया गया है कि सभी कर्मचारियों को समान कार्य समान वेतन के तहत पहली नियुक्ति के प्रथम माह से पूर्ण वेतन दिया जाए। इस आदेश का राज्य शासन द्वारा आज तक कोई निर्णय नहीं किया गया है। मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील रुख् सकारात्मक सोच से लगातार निर्णय ले रहे हैं किन्तु राज्य शासन के कुछ अधिकारी गण ऐसे न्यायालय के निर्णय के बाबजूद अपनी मनमानी चलाकर मुख्यमंत्री जी की भावना के विरुद्ध कार्य कर हजारों कर्मचारियों का आर्थिक, मानसिक रूप से परेशान कर शोषण कर रहे हैं। राकेश डी पी पाठक ने माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी से अनुरोध किया है कि वे शीघ्र इस विसंगति दूर करने का आदेश जारी कराने की कृपा करें।

भोपाल मास्टर प्लान पर आरिफ मसूद का सवाल- पुराना ड्राफ्ट रद्द नहीं तो नया क्यों?

भोपाल,(ए.)। भोपाल मास्टर प्लान को लेकर कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने सरकार की ओर से दी गई 'सैद्धांतिक अनुमति' पर सवाल उठाए हैं। शनिवार को पत्रकार वार्ता में आरिफ मसूद ने कहा कि मास्टर प्लान लागू करने की प्रक्रिया में ड्राफ्ट तैयार कर उसका प्रकाशन, दावे-आपत्तियां और उनका निराकरण शामिल है। इस पूरी प्रक्रिया में करीब पांच महीने लग सकते हैं।कांग्रेस विधायक मसूद ने दावा किया कि उनके कार्यकाल के दौरान तैयार किया गया मास्टर प्लान का ड्राफ्ट पहले से मौजूद है और उसे रद्द करने का कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। ऐसे में सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि नया ड्राफ्ट तैयार करने की जरूरत क्यों पड़ रही है। उन्होंने कहा कि केवल 'सैद्धांतिक अनुमति' की बात से प्रक्रिया स्पष्ट नहीं होती और इससे लोगों की चिंता दूर नहीं हो रही है।

9 सितंबर को 'रन फॉर मास्टर प्लान'

मास्टर प्लान को लेकर आंदोलन जारी रखने की घोषणा करते हुए आरिफ मसूद ने 9 सितंबर को 'रन फॉर मास्टर प्लान' आयोजित करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शाम 7.30 बजे 11 नंबर से हबीबगंज थाने के सामने गांधी प्रतिमा तक करीब डेढ़ किलोमीटर की दौड़ होगी। मसूद ने कहा कि कार्यक्रम में तिरंगा रहेगा, लेकिन किसी राजनीतिक दल का बैनर नहीं होगा और न ही किसी व्यक्ति के खिलाफ नारे लगाए जाएंगे। उन्होंने व्यापारियों, डॉक्टरों, सिविल सोसाइटी, एनजीओ और आम नागरिकों से इसमें शामिल होने की अपील की। उन्होंने बताया कि अगले चार दिनों में विभिन्न संगठनों से संपर्क कर अभियान में शामिल होने का आग्रह किया जाएगा।

सीलिंग की कार्रवाई को लेकर मसूद ने कहा कि मास्टर प्लान और सीलिंग दो अलग-अलग विषय हैं। उनके अनुसार, मास्टर प्लान में रिहायशी और व्यावसायिक क्षेत्रों का स्पष्ट निर्धारण होने से कई समस्याओं का समाधान हो सकता है, लेकिन इससे सीलिंग की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सीलिंग की कार्रवाई से दुकानदारों के साथ रिहायशी इलाकों में रहने वाले लोग भी प्रभावित हो रहे हैं। उनका कहना था कि कई लोगों ने रहने के लिए मकान या बंगले खरीदे, लेकिन अब वहां व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर विवाद सामने आ रहे हैं। वहीं, वर्षों से कर का भुगतान कर रहे कारोबारियों पर कार्रवाई को लेकर भी उन्होंने सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं, ठेकेदार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

विभाग पर नहीं पड़ेगा कोई अतिरिक्त वित्तीय भार, ठेकेदार से 20 प्रतिशत क्षतिपूर्ति भी वसूली जाएगी

भोपाल,(ए.)। लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और ठेकेदार की लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं होगी।विभाग ने बताया कि भोपाल शहर में गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक निर्मित फ्लाईओवर (अम्बेडकर सेतु) की मरम्मत एवं संधारण पर होने वाला संपूर्ण व्यय संबंधित ठेकेदार संस्था मेसर्स वी.के.एस.सी. इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड, भोपाल से अनुबंध की शर्तों के अनुसार वसूल किया जाएगा। मरम्मत की वास्तविक लागत के साथ ही उस पर 20 प्रतिशत क्षतिपूर्ति राशि भी ठेकेदार संस्था से वसूली जाएगी। इस कार्य के लिए विभाग द्वारा न तो कोई पृथक बजट आवंटित किया गया है और न ही विभाग पर किसी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा।अम्बेडकर सेतु का निर्माण 31 दिसंबर 2024 को पूर्ण किया गया था। अनुबंध के अनुसार कार्य की दोष दायित्व अवधि (डीएलपी) 30 दिसंबर 2029 तक निर्धारित है। इस अवधि में निर्माण अथवा संधारण से संबंधित कमियों को दूर करने की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार संस्था की है। फ्लाईओवर के निर्माण के बाद इसकी बियरिंग कोट में खराबी सामने आई थी, जिसका सुधार ठेकेदार संस्था द्वारा कराया गया था। वर्तमान वर्षाकाल में बियरिंग कोट में पुन: खराबी परिलक्षित होने के साथ ही संधारण से जुड़ी अन्य कमियां भी सामने आईं। निरीक्षण के दौरान फ्लाईओवर के ड्रेनेज स्पाउट तथा रेनवॉटर डाउनटेक पाइपों के चोक एवं क्षतिग्रस्त होने के कारण वर्षाजल की निकासी बाधित पाई गई।

भोपाल में 9300 जनसेवा मित्रों की बहाली की मांग, बाबा साहेब की प्रतिमा के सामने धरना

भोपाल,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के 9300 जनसेवा मित्रों की सेवा बहाल करने की मांग को लेकर संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने शनिवार को राजधानी भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहा स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के सामने धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के उस वादे को पूरा करने की मांग की, जिसमें जनसेवा मित्रों की सेवाएं निरंतर जारी रखने की घोषणा की गई थी।जनसेवा मित्र संगठन मध्य प्रदेश के अध्यक्ष आकाश रजक के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में अस्थायी, आउटसोर्स कर्मचारी मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा कि पहले से कार्यरत जनसेवा मित्रों की सेवा बहाली किए बिना नई भर्ती करना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार स्पष्ट दिशा-निर्देश और पारदर्शी प्रक्रिया के अभाव में मुख्यमंत्री यंग इंटर्न्स फॉर गुड गवर्नेंस प्रोग्राम के तहत 4865 युवाओं की भर्ती कर रही है। संगठन के अनुसार, वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले करीब 9300 युवाओं को जनसेवा मित्र के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें 10 हजार रुपए मासिक मानदेय दिया जाता था। चुनाव के दौरान इनसे विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार सहित लाड़ली बहना योजना से जुड़े कार्य भी कराए गए। संगठन का दावा है कि चुनाव के बाद उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं, जिसके बाद से वे बहाली की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

नई भर्ती पर भी उठाए सवाल

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि एक ओर 9300 पूर्व जनसेवा मित्र सेवा बहाली का इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार नई योजना के तहत 4865 युवाओं की भर्ती कर रही है। संगठन ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को पहले पूर्व जनसेवा मित्रों के भविष्य को लेकर स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए।जनसेवा मित्रों ने मुख्यमंत्री के नाम पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर सेवा बहाली की मांग की। प्रदर्शन में समीर खान, हेमराज चौहान, प्रद्युम नागर, बंदना चौधरी, रिंकू विश्वकर्मा, सिवानी लोधी और रामकिशन कुमावत सहित बड़ी संख्या में जनसेवा मित्र शामिल हुए।

जातिगत जनगणना के प्रारुप पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, कहा- सही आंकड़ों के बिना सामाजिक न्याय का आधार कमजोर होगा

भोपाल,(ए.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने जातिगत जनगणना के मौजूदा प्रारूप पर सवाल उठाते हुए इसे बदलने की मांग की है। शनिवार को राजधानी भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि जातियों की गणना के लिए ओपन-एंडेड व्यवस्था के बजाय प्रमाणित जातियों की ड्रॉपडाउन सूची का इस्तेमाल होना चाहिए।कांग्रेस नेता लल्लू ने कहा कि अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में एक ही जाति के अलग नाम, उपजाति और वर्तनी होने से ओपन-एंडेड प्रविष्टियों में आंकड़ों की विसंगति की आशंका है। उन्होंने एसईसीसी-2011 में बड़ी संख्या में अलग-अलग जातिगत प्रविष्टियां सामने आने का हवाला देते हुए कहा कि ऐसी स्थिति दोबारा नहीं बननी चाहिए।उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा प्रश्नावली में ओबीसी और ईबीसी वर्ग की वास्तविक संख्या दर्ज करने को लेकर भी स्पष्टता नहीं है। कांग्रेस का कहना है कि सही जनसंख्या आंकड़े ही आरक्षण, शिक्षा, रोजगार, छात्रवृत्ति और कल्याणकारी योजनाओं में उचित हिस्सेदारी तय करने का आधार बन सकते हैं।

रेत स्टॉक में भारी गड़बड़ी, कटनी कलेक्टर न्यायालय ने लगाया 27.44 करोड़ का जुर्माना

कटनी (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में रेत के भंडारण और परिवहन से जुड़े एक मामले में कलेक्टर न्यायालय ने बड़ी कार्रवाई की है। सेंड पोर्टल पर दर्ज रेत के स्टॉक और मौके पर उपलब्ध वास्तविक मात्रा में भारी अंतर मिलने पर मेसर्स विस्टा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड पर 27 करोड़ 44 लाख 29 हजार 650 रुपये का जुर्माना लगाया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष तिवारी ने फर्म को निर्धारित राशि जमा कराने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के नियम 19 के तहत की गई। जांच के दौरान पोर्टल पर दर्ज स्टॉक और भौतिक रूप से उपलब्ध रेत के बीच 1 लाख 46 हजार 362 घनमीटर का अंतर पाया गया।दरअसल, जिले में स्वीकृत खनिज रेत भंडारण अनुज्ञप्ति स्थलों पर 30 सितंबर 2023 की रात 12 बजे सेंड पोर्टल पर दर्ज शेष स्टॉक का भौतिक सत्यापन कराया गया था। इसी दौरान तहसील विजयराघवगढ़ के ग्राम पुरैनी में खसरा क्रमांक 43/1, 43/2 और 43/3 की कुल 1.320 हेक्टेयर भूमि पर संचालित मेसर्स विस्टा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड के खनिज व्यापारिक अनुज्ञप्ति स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल को मौके पर करीब 100 घनमीटर रेत ही मिली, जबकि सेंड पोर्टल पर इसी स्थल के लिए 1 लाख 46 हजार 462 घनमीटर रेत का स्टॉक दर्ज था। इस तरह सरकारी पोर्टल पर दर्ज मात्रा और वास्तविक भंडारण में 1 लाख 46 हजार 362 घनमीटर का अंतर सामने आया। इतनी बड़ी मात्रा में रेत के अंतर को लेकर फर्म से यह स्पष्ट करने के लिए वैध विक्रय, परिवहन अथवा अन्य संबंधित दस्तावेज मांगे गए कि रेत किस आधार पर भंडारण स्थल से बाहर गई। हालांकि, फर्म ऐसा समुचित एवं विश्वसनीय अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सकी, जिससे इतनी बड़ी मात्रा में रेत के भंडारण स्थल से बाहर जाने को वैध साबित किया जा सके।

बिना अभिवहन पास परिवहन की आशंका

संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, मध्यप्रदेश द्वारा 3 जनवरी 2024 को जारी पत्र में भी ऐसी स्थिति को लेकर स्पष्ट किया गया है। इसके अनुसार यदि सेंड पोर्टल पर रेत का स्टॉक उपलब्ध दर्ज हो, लेकिन स्वीकृत भंडारण स्थल पर वास्तविक मात्रा उपलब्ध नहीं हो अथवा दर्ज स्टॉक से कम मिले, तो भंडारण स्थल से रेत बिना अभिवहन पास के बाहर भेजे जाने की संभावना मानी जा सकती है।

लापता महिला का जलाशय में मिला शव ग्रामीणों ने 7 घंटे बाद बाहर निकाला

शहडोल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले की ब्यौहारी तहसील के सलैहा गांव में बिज्जू सिंह (पति शिवनारायण सिंह) की चरखरी जलाशय में डूबने से मौत हो गई। वह शनिवार सुबह करीब 8 बजे से लापता थीं। परिजनों और ग्रामीणों ने आसपास के इलाकों में उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।परिजनों के अनुसार, बिज्जू सिंह सुबह घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। काफी देर तक घर न पहुंचने पर उनकी तलाश शुरू की गई। इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने बताया कि महिला को चरखरी जलाशय की तरफ जाते देखा गया था। इसके बाद परिजनों ने घटना की जानकारी स्टेट कंट्रोल कमांड भोपाल को दी।जानकारी मिलने पर ब्यौहारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से जलाशय में महिला की तलाश शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए ब्यौहारी एसडीएम अर्चना मिश्रा ने एसडीआरएफ टीम को भी बुलाया। इसके बाद पुलिस, एसडीआरएफ और ग्रामीणों ने मिलकर जलाशय में तलाशी अभियान चलाया।कई घंटे की तलाश के बाद शाम करीब 3 बजे ग्रामीणों की मदद से बिज्जू सिंह का शव जलाशय से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

भस्म आरती में सजे बाबा महाकाल, चंदन-भांग और आभूषणों से हुआ दिव्य श्रृंगार

उज्जैन, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार तड़के भगवान महाकाल की भस्म आरती विधि-विधान और विशेष श्रृंगार के साथ संपन्न हुई। मंदिर के पट सुबह करीब चार बजे खुले। इसके बाद गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक किया गया। पंचामृत पूजन में दूध, दही, घी, शक्कर, शहद और फलों के रस से भगवान महाकाल का अभिषेक किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम का जल अर्पित किया गया और मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अर्चन की प्रक्रिया आगे बढ़ी।भस्म आरती से पहले भगवान महाकाल का आकर्षक श्रृंगार किया गया। बाबा को चंदन का लेप, भांग, बिल्वपत्र, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों की मालाएं अर्पित की गईं। मस्तक पर त्रिपुंड और त्रिशूल के साथ डमरू एवं शेषनाग का रजत मुकुट धारण कराया गया। इसके साथ रजत की मुंडमाल और अन्य रजत आभूषणों से भगवान का अलंकरण किया गया।

भस्म अर्पित कर संपन्न हुई आरती

कपूर आरती और नैवेद्य अर्पण के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढंककर विधि-विधान से भस्म अर्पित की गई। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भी भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। धार्मिक मान्यता है कि भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं। इसके बाद भगवान गणेश, माता पार्वती और भगवान कार्तिकेय का पूजन कर महाकाल को फल एवं मिष्ठान का भोग लगाया गया। भस्म आरती के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन के साथ नंदी महाराज के भी दर्शन किए। कई श्रद्धालु नंदी के कान के समीप अपनी मनोकामना कहकर भगवान महाकाल से उसके पूर्ण होने की प्रार्थना करते नजर आए। आरती के दौरान मंदिर परिसर बाबा महाकाल के जयकारों से गूंज उठा।

इंदौर में अवैध मदिरा के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई, 50 लाख रुपये की 470 पेटियां जब्त

कनाड़िया-बिचौली हप्सी सर्विस रोड पर कंटेनर से 4,151 बल्क लीटर मदिरा बरामद, अंतरराज्यीय तस्करी की आशंका

इन्दौर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अवैध मदिरा के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत इंदौर जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेशानुसार तथा सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशन में जिले में संचालित अभियान के क्रम में आबकारी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 50 लाख रुपये कीमत की अवैध मदिरा बरामद की है। आबकारी विभाग की टीम को इंदौर शहर के बायपास क्षेत्र में कनाड़िया से बिचौली हप्सी के मध्य सर्विस रोड के किनारे एक आयशर कंटेनर ट्रक क्रमांक **HR 55 AF 2661** के संदिग्ध अवस्था में खड़े होने की सूचना मिली। संदेह के आधार पर आबकारी उपनिरीक्षक आकाश मेश्राम के नेतृत्व में टीम ने कंटेनर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कंटेनर से मैकडोवेल्स नंबर वन व्हिस्की की 250 पेटियां बरामद हुईं, जिनमें 750 एमएल धारिता की बोतलें थीं। इसके अतिरिक्त ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की

की 220 पेटियां भी बरामद की गईं, जिनमें 180 एमएल धारिता के पाव थे। इस प्रकार कुल 470 पेटी अवैध मदिरा जब्त की गई। बरामद मदिरा की कुल मात्रा लगभग 4,151 बल्क लीटर है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 50 लाख रुपये आंकी गई है। जप्त मदिरा की पेटियों में रखी बोतलों पर "FOR SALE IN CHANDIGARH ONLY" अंकित पाया गया। इस आधार पर प्रथम दृष्टया यह मामला अंतरराज्यीय मदिरा तस्करी से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। विभाग द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच प्रारंभ कर दी गई है। प्रकरण में संबंधित आरोपी, जो महेंद्रगढ़, हरियाणा का निवासी है, के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(2) क एवं 46(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरण की विवेचना जारी है। चूंकि मामला अंतरराज्यीय मदिरा तस्करी से संबंधित है, इसलिए जांच का दायरा व्यापक रखा गया है। आबकारी विभाग द्वारा मदिरा के स्रोत, परिवहन मार्ग, संभावित गंतव्य तथा इस अवैध तस्करी में संलिप्त अन्य व्यक्तियों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। जिला आबकारी विभाग, इंदौर द्वारा अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन, संग्रहण एवं अंतरराज्यीय तस्करी के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध मदिरा के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

व्यापार समाचार

भारत और पोलैंड साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और महत्वपूर्ण खनिजों पर समझौतों की तैयारी में : एस. जयशंकर

वारसॉ (आरएनएस)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत और पोलैंड साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष, स्वच्छ कोयला, वर्गीकृत जानकारी और महत्वपूर्ण खनिजों सहित विभिन्न क्षेत्रों में समझौतों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ये समझौते द्विपक्षीय संबंधों में गहराई और मजबूती दोनों लाएंगे।

वारसॉ में पोलैंड के उप प्रधानमंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की के साथ वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से सौहार्दपूर्ण संबंध हैं, जिसे 2024 में रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया था।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच निकटता राजनीतिक नेतृत्व की नियमित बैठकों और विभिन्न क्षेत्रों में संस्थागत तंत्रों में दिखती है।

विदेश मंत्री ने कहा, आज रादोस्लाव सिकोरस्की और मैंने उस कार्य योजना की समीक्षा की, जिस पर दो साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोलैंड यात्रा के दौरान सहमति बनी थी। हमें जो रिपोर्ट कार्ड मिला, वह बहुत ठोस था, जो व्यापार और निवेश में बढ़ोतरी, रक्षा सहयोग में गहराई, खनन और ऊर्जा जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में विस्तार के साथ-साथ अंतरिक्ष, डिजिटल, एआई और नवाचार में उभरती नई संभावनाओं का संकेत देता है। उन्होंने कहा, जहां तक तंत्रों का सवाल है। हाल ही में विदेश कार्यालय परामर्श आयोजित किया गया था। हमारा संयुक्त आयोग मिला था और जैसा

कि आपने उप प्रधानमंत्री से सुना, रक्षा कार्य समूह, हम साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष, स्वच्छ कोयला, वर्गीकृत जानकारी, महत्वपूर्ण खनिज आदि सहित कई अन्य क्षेत्रों में समझौतों पर काम कर रहे हैं और मुझे विश्वास है कि वे हमारे संबंधों में बनावट और सार दोनों जोड़ेंगे।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने घोषणा की कि जामसाहेब मेमोरियल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम का दूसरा संस्करण अक्टूबर में होगा। उन्होंने कहा कि पोलिश विश्वविद्यालयों में भारत के इंडोलॉजी और संस्कृत कार्यक्रम भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंध गहरे हुए हैं और दोनों पक्षों के बीच हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौते को इसका केंद्रबिंदु बताया।

विदेश मंत्री ने कहा, जबकि हमारी महत्वपूर्ण द्विपक्षीय साझेदारियां हैं और सभी संकेतक निरंतर विकास की ओर इशारा करते हैं, दो पहलू हैं जिन्हें मैं आज विशेष रूप से उजागर करना चाहता हूं। एक, पिछले कुछ वर्षों में यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंध बहुत स्पष्ट रूप से गहरे हुए हैं। इसका केंद्रबिंदु निश्चित रूप से मुक्त व्यापार समझौता है, जिसे उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने सभी सौदों की जननी बताया है।उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के लिए अपार आर्थिक अवसर खोलेगा। यूरोपीय संघ के एक प्रमुख सदस्य के रूप में, पोलैंड को स्वाभाविक रूप से इस प्रक्रिया में लाभ होगा। इसलिए उप प्रधानमंत्री और मैंने चर्चा की कि हम इस नए परिदृश्य का लाभ कैसे उठा सकते हैं। पोलिश विदेश मंत्रालय के अनुसार, शुक्रवार को विदेश मंत्री जयशंकर और सिकोरस्की के बीच हुई बातचीत में रणनीतिक साझेदारी को लागू करने, रक्षा, अंतरिक्ष और जहाज निर्माण सहित चुनिंदा क्षेत्रों में सहयोग की स्थिति, यूरोप में सुरक्षा स्थिति, बहुपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग और स्मारकों और स्मरणोत्सव से संबंधित मुद्दों के साथ-साथ थिंक टैंकों के बीच सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सोना इस हफ्ते चार हजार रुपए और चांदी आठ हजार रुपए से अधिक सस्ती हुई

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोने और चांदी में इस हफ्ते बड़ी गिरावट देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमश- 4,000 रुपए और 8,000 रुपए से अधिक घट गया।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 4,694 रुपए कम होकर 1,54,884 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,59,578 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,41,874 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,46,173 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,16,163 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,19,684 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते 24 कैरेट सोने में सबसे न्यूनतम दाम 2 सितंबर को शाम के सत्र में 1,51,184 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 31 अगस्त को शाम के सत्र में 1,55,835 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है।

चांदी का दाम 8,436 रुपए कम होकर 2,35,456 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,43,892 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 31 अगस्त को शाम के सत्र में 2,37,199 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 3 सितंबर को सुबह के सत्र में 2,28,360 रुपए प्रति किलो देखा गया।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से 2 अरब लोगों के बाजार को मिलेगा लाभ : पीयूष गोयल

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारत और यूरोप के किसानों, मछुआरों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), छोटे उद्योगों, नवोन्मेषकों, स्टार्टअप, महिला उद्यमियों, विनिर्माताओं तथा सेवा प्रदाताओं के लिए बड़े अवसर खोलता है।

पीयूष गोयल ने मुंबई में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर भारत-बेल्जियम के बीच हुई उच्चस्तरीय बातचीत को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए इस समझौते पर कुशलतापूर्वक बातचीत की गई है। इस अवसर पर बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उपस्थित थे।

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-ईयू एफटीए पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बातचीत पूरी होने से पहले करीब 25 वर्षों तक काम किया गया। उन्होंने कहा कि यह समझौता 2 अरब लोगों को एक साथ लाता है और इसके तहत वैश्विक जीडीपी का एक-चौथाई, विश्व व्यापार का एक-तिहाई तथा 24 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का विशाल बाजार शामिल है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11.475 बिलियन डॉलर बढ़कर ऑल-टाइम हाई 740.803 बिलियन डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अगस्त को समाप्त हुए सप्ताह में 11.475 बिलियन डॉलर बढ़कर अब तक के सबसे उच्चतम स्तर (ऑल-टाइम हाई) 740.803 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। यह जानकारी शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए डेटा में दी गई। इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार का ऑल-टाइम हाई 729.328 बिलियन डॉलर था, जो कि 21 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में दर्ज किया गया था।

आरबीआई के डेटा के मुताबिक, 28 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) की वैल्यू 9.337 बिलियन डॉलर बढ़कर 600.670 बिलियन डॉलर हो गई है।

एफसीए में डॉलर के साथ दुनिया की कई अहम वैश्विक मुद्राएं जैसे येन, यूरो और पाउंड होती हैं, जिनकी वैल्यू को डॉलर में दिखाया जाता है।

इस दौरान, विदेशी मुद्रा भंडार के दूसरे सबसे बड़े घटक गोल्ड रिजर्व की वैल्यू 2.191 बिलियन डॉलर बढ़कर 116.409 बिलियन डॉलर हो गई है।

आरबीआई के अनुसार, 28 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में एसडीआर की वैल्यू 43 मिलियन डॉलर घटकर 18.810 बिलियन डॉलर रही है। वहीं, भारत की आरबीआई में रिजर्व पॉजिशन 11 मिलियन डॉलर घटकर 4.914 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई है।देश के विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने की वजह डॉलर आकर्षित करने की लिए आरबीआई की ओर से शुरू की गई स्कीमों को माना जा रहा है, जिसके तहत देश में करीब 136 बिलियन डॉलर से अधिक का फंड आया है।किसी भी देश के लिए उसका विदेशी मुद्रा भंडार काफी महत्वपूर्ण होता है, और इससे उस देश की आर्थिक स्थिति का पता लगता है। इससे अलावा, यह मुद्रा की विनिमय दर को स्थिर रखने में बड़ी भूमिका निभाता है।उदाहरण के लिए अगर किसी स्थिति में डॉलर के मुकाबले रुपए पर अधिक दबाव देखने को मिलता है और उसकी वैल्यू कम होती है तो केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल कर डॉलर के मुकाबले रुपए को गिरने से रोक सकता है और विनिमय दर को स्थिर रखता है।

LIC को आईसीआईसीआई बैंक में हिस्सेदारी 9.99 प्रतिशत तक बढ़ाने की आरबीआई से मिली मंजूरी

नई दिल्ली(आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सरकारी स्वामित्व वाली बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को आईसीआईसीआई बैंक की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग राइट्स में कुल 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दे दी है। यह जानकारी निजी क्षेत्र के बैंक की ओर से शनिवार को दी गई। आईसीआईसीआई बैंक ने बताया कि उसे आरबीआई की ओर से 4 सितंबर को जारी मंजूरी पत्र की प्रति उसी दिन रात 9:09 बजे प्राप्त हुई।इसके तहत एलआईसी मंजूरी प्राप्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर आईसीआईसीआई बैंक में यह हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। अगर इस अवधि में हिस्सेदारी नहीं खरीदी गई तो यह मंजूरी स्वतः रद्द हो जाएगी।

एआई बूम से 2025 में वैश्विक स्तर पर अरबपतियों की संपत्ति रिकॉर्ड 15 ट्रिलियन डॉलर के पार

नई दिल्ली (आरएनएस)। वर्ष 2025 में दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इसकी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में आई तेजी और टेक्नोलॉजी शेयरों में मजबूत बढ़त है, जिससे अरबपतियों की संख्या के साथ-साथ उनकी संपत्ति में भी तेज वृद्धि देखने को मिली है। यह जानकारी वेल्थ इंटेलिजेंस फर्म अल्ट्राटा की एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या 2025 के दौरान 8.2 प्रतिशत बढ़कर 3,795 हो गई, जो पांच वर्षों में सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि है। इस दौरान उनकी कुल संपत्ति 12.8 प्रतिशत बढ़कर 15.1 ट्रिलियन डॉलर हो गई। यह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की संपत्ति पर टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़े निवेशों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।अल्ट्राटा ने कहा कि अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में एआई बूम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टेक्नोलॉजी शेयरों के मजबूत प्रदर्शन ने भी उनकी संपत्ति बढ़ाने में मदद की। हालांकि, रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि टेक्नोलॉजी और एआई सेक्टर में संपत्ति का बढ़ता केंद्रीकरण बाजार में उतार-चढ़ाव के जोखिम को बढ़ा सकता है। रिपोर्ट में 150 सूचीबद्ध कंपनियों की पहचान की गई, जिन्होंने अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पिछले पांच वर्षों में एआई में कम से कम 3 करोड़ डॉलर का निवेश करने वाली कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 2024 से 2025 के बीच उन कंपनियों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक वृद्धि दर्ज की गई, जिन्होंने इस तरह का निवेश नहीं किया था।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

ईंधन निश्चित रूप से हानिकारक

अपने यहां चर्चाओं के अभिजात्यवादी स्वरूप का ही उदाहरण है कि ई-20 का चलन बढ़ने पर खाद्य सुरक्षा एवं जल उपलब्धता को लेकर आने वाली चुनौतियों की ओर किसी पक्ष ने पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है। वी. अनंत नागेश्वरन ने पेट्रोल में इथॉनोल की मिलावट पर चल रही बहस में साहसी हस्तक्षेप किया है। उन्होंने सरकार की ओर से पेश दलीलों से अलग विवेकपूर्ण राय सामने रखी है। उचित होगा कि केंद्र अपने मुख्य आर्थिक सलाहकार की बातों पर ध्यान दे और उनके परामर्श के मुताबिक आचरण करे। ई-20 ईंधन पर जारी विवाद में अब तक चर्चा इससे वाहनों को संभावित नुकसान पर केंद्रित रही है। जबकि नागेश्वरन ने इससे संबंधित एक अधिक दूरगामी महत्त्व के पहलू की चर्चा कर बहस को अधिक व्यापक आयाम दिया है। यह हमारे समाज में चर्चाओं के अभिजात्यवादी स्वरूप का ही परिणाम है कि ई-20 का चलन बढ़ने पर उससे खाद्य सुरक्षा एवं जल उपलब्धता को लेकर आने वाली चुनौतियों पर किसी पक्ष ने पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है।नागेश्वरन की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने इस मुद्दे पर भी रोशनी डाली है। आर्थिक मामलों के मंत्रालय में कंसल्टैंट आकाश पुजारी के साथ एक अखबार में लिखे लेख में नागेश्वरन ने ध्यान दिलाया कि इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ना और अनाज- खासकर मक्के का उपयोग होता है। इसकी मांग बढ़ने पर किसान अधिक जमीन पर इन फसलों की खेती के लिए प्रेरित हो सकते हैं। इससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा एक लीटर इथेनॉल बनाने के लिए हजारों लीटर पानी की जरूरत पड़ती है।जिस समय भू-जल के नीचे जाने की समस्या से कई राज्य जूझ रहे हैं, इथेनॉल का उपयोग बढ़ाने का मतलब जल संसाधनों पर दबाव बढ़ाना होगा। भारत अगर ई-27 या ई-30 जैसे उच्च मिश्रणों की ओर बढ़ा, तो यह दबाव और बढ़ेगा। वाहनों को नुकसान और माइलेज घटने संबंधी चिंताओं को भी नागेश्वरन ने सिरे से खारिज नहीं किया है। बल्कि कहा है कि ई-20 से रबर सील और कार्ब्यूरेटर वाले पुराने वाहनों में समस्या हो सकती है। तकरीबन आठ करोड़ पुराने दोपहिया वाहनों के लिए तो यह ईंधन निश्चित रूप से हानिकारक है। इसलिए उन्होंने ई-10 को वापस लाने तथा जल एवं फसल संबंधी चिंताओं का ठोस आकलन करने की सलाह दी है। सरकार को अविलंब और बेहिचक इस दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित अपने आवास पर पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

वर्तमान दौर की सबसे बड़ी महामारी - संस्कारहीन रिश्ते

कृति आरके जैन

रिश्तों को बड़े शब्द नहीं, छोटे संस्कार बचाते हैं

एक साथ रहते हुए भी कितने अकेले हो गए हम

वर्तमान समय की सबसे भयावह महामारी अस्पतालों में नहीं, घरों के भीतर पल रही है। इसका न कोई परीक्षण है, न तापमान, न कोई चिकित्सकीय रिपोर्ट। यह चुपचाप रिश्तों में उतरती है और उनकी धड़कनें धीमी कर देती है। इसका नाम है—संस्कारहीन रिश्ते। समाचारों की सुर्खियाँ हत्या, तलाक, पारिवारिक कलह और टूटते घर दिखाती हैं, पर उन घटनाओं के पीछे पसरा वह सन्नाटा नहीं दिखातीं, जहाँ कभी अपनापन साँस लेता था। असली त्रासदी तब होती है, जब अपने ही लोग एक-दूसरे के लिए अजनबी बन जाते हैं। संस्कार रिश्तों की रखवाली छोड़ दें तो मकान तो खड़े रहते हैं, कमरे भी भरे रहते हैं—बस घर भीतर से वीरान हो जाता है।कभी रिश्ते मिट्टी जैसे थे—नरम, लचीले, एक-दूसरे में घुले हुए। संस्कार वह पानी थे, जो बिखरे कणों को जोड़कर परिवार गढ़ते थे। आज वही मिट्टी सूख रही है। अहंकार की एक चुभन, स्वार्थ की एक परत और सुविधा की एक आँधी रिश्तों में दरार डाल देती है। हमने संबंधों को भावनाओं से नहीं, फायदे से तौलना शुरू कर दिया है—सुविधा रही तो रिश्ता रहा, सुविधा गई तो अपनापन भी गया। अदालतों के पारिवारिक विवाद और रोज की सुर्खियाँ इसी बिखराव के कण हैं। सवाल यह नहीं कि रिश्ते क्यों टूट रहे हैं; सवाल यह है कि उन्हें बाँधने वाला संस्कारों का पानी हमारी हथेलियों से कब रिस गया।

आज परिवार एक छत के नीचे रहता है, पर एक-दूसरे के भीतर नहीं उतरता। खाने की मेज पर थालियाँ साथ होती हैं, मोबाइल भी—बस संवाद नहीं होता। बच्चे सवाल लेकर बड़ों तक पहुँचने के बजाय स्क्रीन पर उत्तर खोजते हैं और बुजुर्ग घर में रहकर भी बातचीत से बाहर हो जाते हैं। संस्कार अब व्यवहार में कम, किताबों, भाषणों और त्योहारों की तस्वीरों में अधिक दिखाई देते हैं। फिर किसी दिन खबर आती है—किसी वृद्ध की मृत्यु का पता कई दिनों बाद चला। सुर्खी कुछ पल ठहरती है, मगर उसके पीछे वर्षों का अकेलापन, दरवाजे पर टिकी आँखें और अपनों के स्पर्श को तरसते हाथ छूट जाते हैं। संस्कार जीवित होते तो बुजुर्ग खबर नहीं बनते—घर की सबसे सुरक्षित छाँव बने

रहते।प्रेम अब अपनापन कम, अपेक्षाओं का हिसाब अधिक बनता जा रहा है। इच्छा पूरी हुई तो मुस्कान, टूटी तो शिकायत; अपेक्षा टूटी तो रिश्ता भी डगमगा गया। कभी एक माफी वर्षों का साथ बचा लेती थी, आज एक संदेश, ब्लॉक या अनफॉलो वर्षों की निकटता मिटा देता है। मतभेद समस्या नहीं, संवाद का इम्तिहान हैं; दुख यह है कि हमने मतभेद के बाद बात करना छोड़ दिया। गलती मानना कमजोरी नहीं, रिश्ते की ताकत है; माफी माँगना हार नहीं, प्रेम का साहस। इसीलिए पहला तूफान आते ही रिश्ते की छत उड़ जाती है—उसे थामने वाली संस्कारों की कड़ियाँ पहले ही टूट चुकी होती हैं। शहरों की चमक हमें उस आँगन से दूर ले गई, जहाँ कभी परिवार साथ बैठता था। दादा-दादी की कहानियाँ किस्से नहीं, धैर्य, क्षमा, त्याग और सम्मान की पाठशाला थीं। आज आँगन की जगह बालकनी, कहानियों की जगह रील्स और साथ की जगह अलग-अलग स्क्रीन हैं। बच्चे तेज भागना सीख रहे हैं, ठहरकर सुनना नहीं। माता-पिता सुविधाएँ जुटाने की दौड़ में बच्चों की आँखों की थकान और मन की चुप्पी पढ़ना भूल रहे हैं। फिर वही बच्चे बड़े होकर माता-पिता को वृद्धाश्रम छोड़ देते हैं और यह एक खबर बन जाती है। पर वृद्धाश्रम की राह उस दिन नहीं बनती—उसकी पहली ईंट बहुत पहले घर के भीतर रखी जा चुकी होती है।

इस महामारी का सबसे खतरनाक लक्षण है—उसका दिखाई न देना। न बुखार, न खाँसी, न कोई रिपोर्ट; फिर भी परिवार भीतर से बीमार हो जाता है। आवाजों से अपनापन घटता है, बातचीत औपचारिक होती है और एक ही छत के नीचे लोग अपने-अपने एकांत में सिमट जाते हैं। साथ रहते हुए भी अकेलापन बढ़ता जाता है। समाचार चैनल घटना दिखा सकते हैं, आँकड़े गिना सकते हैं, बहस कर सकते हैं; मगर उस संस्कारहीनता को नहीं पकड़ सकते, जो टूटते रिश्तों की जड़ में पलती है। शायद इसलिए हम सुर्खियों से आगे देखना नहीं चाहते—क्योंकि वहाँ किसी और की कहानी नहीं, हमारा अपना आईना खड़ा है।

फिर भी इस बीमारी का इलाज संभव है, क्योंकि संस्कार कोई पुरानी चीज नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे व्यवहार हैं। इलाज बाहर से नहीं, भीतर से शुरू होगा। बिना कारण मुस्कुरा देना, किसी की बात बीच में न काटकर सुन लेना, गलती पर माफी माँग लेना, बुजुर्ग के हाथ छूकर आशीर्वाद लेना, बच्चे के सवाल को महत्व देना और क्रोध के क्षण में कठोर शब्द रोक लेना—यही रिश्तों की असली वैक्सीन हैं।

रिश्तों की सूखी मिट्टी को फिर से गीला करना होगा। संस्कारों को उपदेशों की दीवार से उतारकर व्यवहार की जमीन पर लाना होगा। घर में थोड़ा समय, थोड़ा धैर्य और थोड़ा अपनापन लौट आए, तो बहुत-से रिश्ते टूटने से पहले ही बच सकते हैं।शायद अब समय है कि हम सुर्खियों से बाहर निकलकर अपने ही घर को देखें। रिश्ते क्यों टूट रहे हैं, यह पूछने से पहले यह देखना होगा कि उन्हें बचाने के लिए हम अपने भीतर क्या बदल सकते हैं। न्यूज़ की सुर्खियाँ बदलती रहेंगी, घटनाएँ गुजर जाएँगी; मगर टूटा विश्वास, अकेला बुजुर्ग और भीतर से बुझा रिश्ता खबर बदलने से वापस नहीं आएगा। शुरुआत किसी बड़े अभियान से नहीं, घर की छोटी-सी संवेदना से होगी—किसी अपने को सुन लेने से, रूठे को मना लेने से, बुजुर्ग के पास बैठ जाने से, बच्चे के मन को समझ लेने से और अपनी गलती पर झुक जाने से। क्योंकि रिश्ते बड़े शब्दों से नहीं, छोटे संस्कारों से बचते हैं। सुर्खियों से आगे देखिए—शायद आपके अपने घर में अभी भी एक रिश्ता आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।

शिक्षक गढ़ते कल का भारत

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं।

यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए।

शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहणशक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में 'आचार्यदेवो भव' का संदेश दिया गया है।

सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं।

श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णतः प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रचुर ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है।

एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया है: 'सर्वत्र विजयम् इच्छेत् शिष्यात् इच्छेत् पराजयम्'। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय की कामना करनी चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढ़ियां तैयार होंगी।

शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है।

शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओड़िशा के राइरंगपुर में स्थित 'श्री ऑरोबिंदो इंटीग्रल स्कूल' में बच्चों को पढ़ाया है। विभिन्न विषयों को पढ़ाने के अलावा मैं बच्चों के साथ संगीत, खेल-कूद और नाटक की तैयारियों में पूरे मन से उनकी सहायता करती थी। बच्चों के साथ स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। विद्यार्थियों को सुंदर प्राकृतिक स्थलों पर पिकनिक के लिए ले जाना तथा खेल-खेल में उन्हें जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के बारे में जानकारी देना मुझे बहुत सार्थक लगता था।

स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं। मुझे अपने अनेक विद्यार्थियों के नाम तो याद हैं ही, उनको पुकारने के उपनाम भी मुझे आज तक याद हैं। मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है।

राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं।

लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उनसे मिलने का असाधारण अनुभव बच्चों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना रहेगा। उन बच्चों की प्रगति को देखकर मुझे विशेष सार्थकता की अनुभूति होती है।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपका काम आसानी से पूरा होगा। किसी काम को पूरा करने या किसी योजना की शुरुआत करने के लिए आज का दिन बढ़िया है। आप जीवनसाथी के साथ किसी वैवाहिक उत्सव में शामिल होंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको अपने गुस्से पर काबू रखने की जरूरत है, नहीं तो कुछ लोग आपकी बातों का विरोध कर सकते है। आज काम से छुटकारा पाकर बच्चों के साथ समय बिताएंगे। इस राशि के कर्मचारियों को आज ऑफिस में बॉस से वाहवाही मिल सकती है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। इस राशि के सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स को सफलता मिलने के योग बने हुए है। आज आप जहां जरूरत लगे, वहां समझौता करने के लिए तैयार रहेंगे। आप अपनी योग्यता से अपने परिवार का नाम रोशन करेंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन नई उमंगों से भरा रहेगा। आप जितनी मेहनत करेंगे उसके अनुकूल आपको लाभ मिलेगा। आपके संतान की सफलता पर बधाइयां देने लोग, आपके घर आयेंगे। अगर काफी दिनों से आपका पैसा रुका है तो आज मिल जायेगा। आज आपके दैनिक कार्य आसानी से पूरे हो जाएंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। इस राशि के लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखने की जरूरत है। साथ ही रिश्तेदारों के साथ अपने रिश्तों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आज के दिन किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक स्थिति में फायदा दिलाने वाला होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति होगी, कुछ नई योजना भी बनायेंगे। आपका वैवाहिक जीवन रंगों से भरा रहेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज सोच-समझकर कदम बढ़ाने की जरूरत हैं, दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना आपके लिए अच्छा होगा। इस राशि के जो लोग किसी नए बिजनेस की शुरुआत करना चाहते है, उनके लिए आज का दिन शुभ हैं। दांपत्य जीवन खुशनुमा बना रहेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन ठीक रहने वाला है। इस राशि के जो लोग व्यापार से जुड़े हैं, उन्हें आज निवेश करने और अनुमान के आधार पर पैसे लगाने से बचना चाहिए। आज आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ मनोरंजक पल बितायेंगे। व्यावसायिक साझीदार कार्यों में सहयोग करेंगे, जिससे रुके हुए कार्य पूरे होते जायेंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप फैमिली के साथ कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे, परिवार में उत्साह का माहौल बना रहेगा। आज के दिन आपको लेन-देन सम्बन्धी मामलों में थोड़ा एहतियात बरतने की जरूरत है।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन लाभ दिलाने वाला है। कई वर्षों की मेहनत का फल आज आपको मिल सकता है। आप दिनभर एनर्जेटिक रहेंगे, काम में आपका मन लगा रहेगा। इस राशि के जो लोग स्टील के बिजनेस से जुड़े हैं उनके लिए आज ज्यादा लाभ के योग हैं।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आपका दिन अच्छा रहेगा। जो छात्र किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उनके लिए सफलता के योग हैं। समाज में आपके द्वारा किये गये कामों की तारीफ होगी आपका सम्मान बढ़ेगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आपका अच्छा व्यवहार आपको लोगों का प्रिय बना देगा। आपके कुछ छिपे विरोधी आपके बारे में अफवाहें फैला सकते हैं, आप उनकी बातों को इग्नोर करें। अगर आप किसी बिजनेस में इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो किसी एक्सपर्ट से राय जरूर ले लें।

अपराध होने के बाद इंसान के भीतर क्या बचता है

पंकज दुबे

कुछ कहानियां हमें डराती नहीं हैं। वे हमें बेचैन करती हैं। डर कुछ देर का होता है। बेचैनी देर तक साथ चलती है। वह कहानी खत्म होने के बाद भी हमारे भीतर अपना घर बनाए रखती है और बार-बार एक ही सवाल पूछती है कि आखिर ऐसा हुआ क्यों ?

सिने-सोहबत

प्राइम वीडियो की नई अपराध शृंखला 'राख' मेरे लिए इसी दूसरी श्रेणी की कहानी है। पहली नज़र में यह एक अपराध की जांच-पड़ताल है। सन् 1978 की दिल्ली में दो किशोर भाई-बहन, सुमन और साहिल अरोड़ा, अचानक गायब हो जाते हैं। सुमन महज 16 साल की है और आकाशवाणी पर गाने का सपना देख रही है। एक परिवार के लिए शुरू हुई यह तलाश धीरे-धीरे एक ऐसे अपराध का रूप लेती है जिसकी परछाईं पुलिस, समाज और पूरे शहर तक फैल जाती है।

इस मामले की जांच सब इंस्पेक्टर जयप्रकाश जाटव के जिम्मे आती है, जिसे अली फज़ल ने निभाया है। लेकिन 'राख' की असली दिलचस्पी यह जानने में नहीं है कि अपराध किसने किया। दिलचस्पी इस बात में है कि अपराध होने के बाद इंसान के भीतर क्या बचता है। और शायद इसी वजह से इसका नाम 'राख' है। एक ऐसा समय जब अपराधी के पास तकनीक नहीं थी। सन् 1978। आज के दर्शक के लिए यह सिर्फ़ एक बीता हुआ साल है, लेकिन 'राख' के लिए यह कहानी का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है। न मोबाइल फ़ोन। न सोशल मीडिया। न हर चौराहे पर निगरानी कैमरे। न चौबीस घंटे चलते समाचार चैनल। न अपराधी के पीछे भागती हुई तकनीक।उस समय पुलिस के पास अपराध सुलझाने के लिए आदमी थे, कागज थे, मुखबिर थे, पूछताछ थी और सबसे बढ़कर था, धैर्य। आज किसी की तस्वीर कुछ ही सेकंड में हज़ारों लोगों तक पहुंच सकती है। उस समय किसी गुमशुदा व्यक्ति की तलाश का मतलब था शहर की गलियों में घूमना, लोगों से पूछना, छोटे-छोटे सुरागों को जोड़ना और कई बार अंधेरे में हाथ-पैर मारना।इसलिए 'राख' की जांच-पड़ताल का धीमा होना मुझे उसकी कमी से ज्यादा उसकी ज़रुरत लगता है। यह कहानी उसी समय की गति से चलती है।और यह बात आज के तेज़ भागते हुए दर्शक के लिए चुनौती भी है।अली फज़ल का जयप्रकाश नायक नहीं, एक आदमी है। अली को हमने कई तरह के किरदारों में देखा है। लेकिन जयप्रकाश जाटव की भूमिका में वह अपने सितारे वाले व्यक्तित्व को लगभग पूरी तरह पीछे छोड़ देते हैं। यह पुलिसवाला किसी फिल्मी नायक की तरह अपराधियों को देखकर पहचान नहीं लेता। उसे सब कुछ मालूम नहीं है। वह गलतियां करता है। थकता है। गुस्सा होता है। उलझता है। और कई बार खुद भी समझ नहीं पाता कि वह किस दिशा में जा रहा है। लेकिन उसके भीतर एक चीज़ है और वो है ज़िद।

यह ज़िद केवल नौकरी निभाने की नहीं है। धीरे-धीरे यह मामला उसके लिए निजी बेचैनी बन जाता है। अली फज़ल ने इस बेचैनी को बहुत ऊंची आवाज़ में नहीं निभाया है। उनके अभिनय में संयम है। कई बार उनका चेहरा ही संवाद बन जाता है। और यही इस किरदार की खूबसूरती है।जयप्रकाश कोई महान पुलिस अधिकारी बनने नहीं निकला है। वह बस सच तक पहुंचना चाहता है। और कभी-कभी किसी अपराध-कथा का सबसे मजबूत नायक वही होता है जो खुद को नायक समझता ही नहीं। सोनाली बेंद्रे को पर्दे पर देखना अपने आप में सुखद है। लेकिन 'राख' में उनकी मौजूदगी को केवल लंबे अंतराल के बाद वापसी के रूप में देखना ठीक नहीं होगा।मोनिका अरोड़ा के किरदार में वह उस मां की पीड़ा लेकर आती हैं, जिसकी बेटी अचानक उससे छीन ली गई है। सिनेमा में मां का दुख अक्सर बहुत शोर करता है। चीखता है। रोता है। टूटता है। 'राख' का दुख थोड़ा अलग है। यह भीतर दबा हुआ दुख है। वह खाली निगाहों में दिखाई देता है। उन क्षणों में दिखाई देता है जब कोई मां कुछ कह नहीं रही होती, लेकिन उसके चेहरे पर एक पूरा संसार टूट चुका होता है। सोनाली बेंद्रे ने इस मौन को अच्छी तरह पकड़ा है। और शायद मां के दुख का सबसे सच्चा रूप वही है जब उसके पास रोने के लिए भी शब्द नहीं बचते।राकेश बेदी को गंभीरता से देखना अच्छा लगता है। राकेश बेदी की छवि लंबे समय से हमारे भीतर एक खास तरह की बनी हुई है, हंसी, हल्के-फुल्के किरदार और सहज हास्य। पिछले दिनों 'धुरंधर' में उन्होंने ये छवि तोड़ी और इस सीरीज़ राकेश बेदी का गंभीर रूप इसलिए अधिक प्रभाव पैदा करता है। यह भूमिका याद दिलाती है कि कलाकार को उसकी पुरानी छवि में कैद करना कितना आसान और कितना गलत है।आमिर बशीर, दिव्येंदु भट्टाचार्य और दूसरे कलाकार भी कहानी की दुनिया को मजबूती देते हैं। यहां कलाकार कहानी से बड़े होने की कोशिश नहीं करते। और यह बात आज के दौर में कम देखने को मिलती है।अपराधी से ज्यादा डरावना है वह समाज जो उसे पैदा करता है। 'राख' की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह अपराधी को केवल एक राक्षस बनाकर छोड़ नहीं देती क्योंकि राक्षस बना देना आसान है। फिर हम उससे दूरी बना सकते हैं। कह सकते हैं कि वह हमारे जैसा नहीं था। वह अलग था। वह बुरा था।

गाजियाबाद की ट्रोनिका सिटी में बैग फैक्ट्री में भीषण आग , दमकल की 12 गाड़ियों ने दीवार तोड़कर पाया काबू, कोई हताहत नहीं

गाजियाबाद (आरएनएस)। गाजियाबाद के औद्योगिक क्षेत्र ट्रोनिका सिटी के सेक्टर A-3 में देर रात एक बैग निर्माता फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दमकल विभाग की 12 गाड़ियों और वाटर टैंकरों को मौके पर तैनात करना पड़ा। फैक्ट्री के पूरी तरह ढके (कवर्ड) होने के कारण जवानों को पीछे की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश करना पड़ा। दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से आग को आसपास की फैक्ट्रियों में फैलने से रोक लिया गया। हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। रात 9:50 बजे मिली सूचना, शेड के नीचे सुलगती आग पर कूलिंग ऑपरेशन जारीमुख्य अग्निशमन अधिकारी (CFO) राहुल पाल ने घटना के संबंध में आधिकारिक जानकारी साझा की: पीछे की दीवार तोड़कर बनाया रास्ता: सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि रात लगभग 9:50 बजे नामक बैग बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। फैक्ट्री चारों तरफ से कवर्ड थी, जिससे मुख्य द्वार से अंदर पानी पहुंचाना बेहद कठिन था। दमकल टीम ने तुरंत पीछे की दीवार को तोड़ा और अंदर पानी की बौछारें शुरू कीं। JCB से मलबा हटाने का काम- आग को फैलने से रोक लिया गया है। शेड के नीचे दबे मलबे और सामान में फंसी आग को पूरी तरह बुझाने के लिए जेसीबी की मदद से मलबा हटाया जा रहा है और लगातार कूलिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

जनहानि नहीं: गनीमत रही कि हादसे के समय फैक्ट्री परिसर में किसी के फंसे न होने के कारण कोई जनहानि या चोट की घटना नहीं हुई। आग लगने के वास्तविक कारणों और संपत्ति के नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

बिहार में बाढ़ का कहर जारी, गंगा के उफान से कई जिलों में लाखों लोग प्रभावित

पटना (आरएनएस)। बिहार में गंगा समेत कई प्रमुख नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि से बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जल संसाधन विभाग के शनिवार सुबह के आंकड़ों के अनुसार गंगा, कोसी, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और घाघरा समेत कई नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, भागलपुर, भोजपुर, पटना, सारण और वैशाली में ही करीब 7.8 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इसके अलावा कई अन्य जिलों में भी निचले इलाकों में पानी फैलने से हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। भागलपुर के खरीक प्रखंड की राघोपुर पंचायत में गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण काजीकौरैय-राघोपुर मार्जिनल बांध 23 अगस्त की रात करीब 30 मीटर लंबाई में क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद पंचायत के पांच वार्डों में पानी फैल गया, जिससे करीब 5,000 लोग प्रभावित हुए हैं। प्रशासन की ओर से प्रभावित लोगों के लिए छह सामुदायिक रसोई केंद्र चलाए जा रहे हैं। इनके माध्यम से अब तक करीब 70,600 थालियों में भोजन कराया जा चुका है। भोजपुर में गंगा के जलस्तर में वृद्धि के कारण निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। जिले के चार प्रखंडों की करीब 2.84 लाख आबादी प्रभावित हुई है। प्रशासन की ओर से 13 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां अब तक करीब 8,300 थालियों में भोजन कराया गया है। पटना जिले में भी गंगा के बढ़ते जलस्तर ने निचले इलाकों में मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जिले के नौ प्रखंडों में करीब 2.32 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

फिलहाल आठ सामुदायिक रसोई केंद्र चल रहे हैं, जिनसे करीब 5,900 थालियों में भोजन उपलब्ध कराया गया है। शनिवार से सात और स्थानों पर सामुदायिक रसोई केंद्र शुरू किए जा रहे हैं। सारण जिले के पांच प्रखंडों में करीब 20 हजार आबादी प्रभावित हुई है। यहां एक सामुदायिक रसोई केंद्र के माध्यम से अब तक करीब 500 थालियों में भोजन कराया गया है। वैशाली में तीन प्रखंडों की करीब 85 हजार आबादी बाढ़ से प्रभावित है। यहां एक सामुदायिक रसोई केंद्र के साथ एक राहत शिविर भी संचालित किया जा रहा है, जिसमें 326 लोग शरण लिए हुए हैं।

राखी के ताने से भड़की जेठानी, 22 साल की देवरानी को चाकू से गोदा; टैंक में फेंकी लाश

इंदौर,(आरएनएस)। रक्षाबंधन के दिन जेल में बंद भाई को राखी न बांध पाने को लेकर दिए गए ताने से शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि एक महिला ने अपनी नवविवाहिता देवरानी की हत्या कर दी। आरोप है कि जेठानी ने चाकू से गर्दन और पेट पर वार कर देवरानी को मौत के घाट उतार दिया और शव को घर के पीछे बने हौज में डालकर ढक्कन बंद कर दिया। पुलिस ने आरोपी जेठानी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया है।

25 दिन पहले हुई थी लव मैरिज

मामला इंदौर जिले के राऊ थाना क्षेत्र का है। मृतका की पहचान 22 वर्षीय वंदना पटेल के रूप में हुई है। वंदना ने करीब 25 दिन पहले, 11 अगस्त को उपेंद्र पटेल से प्रेम विवाह किया था और इसके बाद ससुराल आई थी। हत्या के आरोप में पुलिस ने उसकी जेठानी पार्वती को गिरफ्तार किया है।

राखी को लेकर शुरू हुआ विवाद

राऊ थाना प्रभारी राजपाल सिंह राठौर के मुताबिक, पूछताछ में सामने आया कि पार्वती का भाई दुष्कर्म के आरोप में दमोह जेल में बंद है। रक्षाबंधन पर पार्वती मायके नहीं गई थी। इस दौरान वंदना ने उससे इसके बारे में पूछा। पुलिस के अनुसार, वंदना को उसके भाई के जेल में होने की जानकारी थी और उसने इसी बात को लेकर पार्वती को कथित तौर पर ताना दिया।

बात बढ़ने पर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि वंदना ने पार्वती को घर से निकलवाने की धमकी तक दे दी। पुलिस के मुताबिक, यह बात पार्वती को इतनी नागवार गुजरी कि उसने वंदना की हत्या करने का फैसला कर लिया।

पहले गर्दन, फिर पेट में चाकू मारा

पुलिस के अनुसार, वंदना का ध्यान दूसरी ओर था, तभी पार्वती ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। उसने पहले वंदना की गर्दन पर वार किया। नीचे गिरने के बाद उसके पेट में भी चाकू घोंप दिया। गंभीर रूप से घायल वंदना बेसुध हो गई।

इसके बाद पार्वती ने कथित तौर पर वंदना के शव को घसीटकर घर के पीछे बने हौज में डाल दिया और ऊपर से ढक्कन लगा दिया। वारदात के बाद वह अस्पताल चली गई। वंदना का मोबाइल बंद आने पर उसके पति उपेंद्र को शक हुआ। वह तुरंत घर पहुंचा और तलाश के दौरान हौज से वंदना को बाहर निकाला। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

भारत भले ही चांद पर पहुंच गया, लेकिन हाथ से मैला ढोना खत्म नहीं हुआ'; बॉम्बे हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

मुंबई (आरएनएस)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने देश में दशकों से चली आ रही हाथ से मैला ढोने की अमानवीय प्रथा पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि भारत 21वीं सदी में चांद के अनछुए हिस्सों तक पहुंचने का दावा करता है, लेकिन जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक बुराई के कारण आज भी कुछ लोगों को इंसानी गरिमा के खिलाफ काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।जस्टिस भारती डांगरे और मंजूषा देशपांडे की पीठ ने कहा कि संविधान लागू हुए 75 साल से अधिक समय बीत चुका है और वह सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता का अधिकार देता है। इसके बावजूद देश अब तक उस सामाजिक बुराई से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाया है, जिसने समाज को सदियों से प्रभावित किया है।

सफाई कर्मचारियों की मौत पर 30 लाख मुआवजा

कोर्ट ने यह टिप्पणी 'मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार का निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013' को लागू करने में राज्य और स्थानीय अधिकारियों की कथित विफलता के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान की। 13 अगस्त को हुई सुनवाई का फैसला 3 सितंबर को सार्वजनिक किया गया। पीठ ने दो सरकारी आदेशों को रद्द करते हुए स्पष्ट किया कि निजी ठेकेदारों या निजी क्षेत्र के माध्यम से काम पर रखे गए सफाई कर्मचारियों की मौत होने पर उनके परिवार 30 लाख रुपये के मुआवजे के हकदार होंगे। यह मुआवजा राज्य सरकार को देना होगा, हालांकि बाद में संबंधित नियोक्ता से इसकी वसूली की जा सकती है। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की ओर से उठाए गए ऐसे पांच मृत सफाई कर्मचारियों के मामलों में उनके आश्रितों को भी 30-30 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया।

सरकारी दावों पर भी उठे सवाल

याचिका श्रमिक जनता संघ से जुड़े राजू माधवे और लेखक श्रेयस पांडे के साथ मिलकर दायर की गई थी। माधवे के बेटे सूरज की 2022 में मुंब्रा की एक हाउसिंग सोसाइटी में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान मौत हो गई थी।

नई दिल्ली में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के मौके पर मनाए जाने वाले शिक्षक दिवस पर, %नेशनल टीचर्स अवार्ड्स 2026 के सम्मान समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी व सुकांत मजूमदार के साथ।

शिक्षकों से मिले पीएम मोदी : पूछा- अच्छा वक्ता बनने के लिए क्या करूं; शिक्षिका के जवाब पर खूब हंसे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि शिक्षक दिवस समाज में शिक्षकों के अहम योगदान की सराहना करने का दिन है। उन्होंने यह भी कहा कि यह डॉ. एस. राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने नेशनल टीचर्स अवॉर्ड' (राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार) विजेताओं के साथ मुलाकात की झलकियां भी साझा की।प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "शिक्षक दिवस हमारे समाज में शिक्षकों के अहम योगदान की सराहना करने का दिन है। यह डॉ. एस. राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि देने का दिन भी है। कल जब नेशनल टीचर्स अवॉर्ड्स के विजेताओं को 7, एलकेएम (लोक कल्याण मार्ग) बुलाया गया, तो क्या हुआ, देखिए। "पीएम मोदी से संवाद करते समय एक महिला अध्यापिका ने बताया कि वह बच्चों को नवाचारी तरीके से साक्षात्कार लेना सिखा रही हैं।

इस पर प्रधानमंत्री ने पूछा कि बच्चे घर जाकर मम्मी-पापा का भी इंटरव्यू करते होंगे? पीएम मोदी की इस बात पर महिला टीचर ने 'हां' में जवाब दिया। फिर पीएम मोदी ने कहा कि बच्चे अपने माता-पिता से पूछते होंगे कि खाना क्यों पकाया? ऐसा क्यों पकाया? यह निर्णय किसने किया था? बजट कितना खर्च किया था? इस पर महिला अध्यापिका ने कहा कि मेरे स्कूल के सारे बच्चे रिपोर्टर ही बनना चाहते हैं!एक अन्य महिला शिक्षक ने पीएम मोदी को बताया कि वह बच्चों को केमिस्ट्री पढ़ाने के साथ एनवायरमेंट एजुकेशन भी पढ़ाती हूं।

मस्जिदों को अवैध बताकर ध्वस्तीकरण का अभियान तत्काल रोके सरकार : मायावती

लखनऊ (आरएनएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश में मस्जिदों समेत अन्य धार्मिक स्थलों को अवैध बताकर ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए सरकार से इसे तत्काल रोकने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक और धर्मनिरपेक्ष सरकार की जिम्मेदारी सभी धर्मों के मानने वालों तथा उनके धार्मिक स्थलों का समान रूप से सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मायावती ने बिना समुचित कानूनी प्रक्रिया के किसी आरोपी का मकान गिराए जाने को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा और 'कानून द्वारा कानून का राज' सुनिश्चित करने की मांग की। मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट के जरिए कहा कि जिला सहारनपुर की मस्जिद समेत पूरे उत्तर प्रदेश में आए दिन मस्जिदों को काफी आपत्तिजनक तरीके से अवैध बताकर उन्हें ध्वस्त करने का जो सरकारी अभियान चल रहा है, वह उचित नहीं है। सरकार को ऐसे नकारात्मक हालात से बचने के लिए इस पर तत्काल रोक लगानी चाहिए और समस्या के समाधान के अन्य उपाय करने चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि संवैधानिक धर्मनिरपेक्ष सरकार की जिम्मेदारी सभी धर्मों को मानने वाले लोगों और उनके धार्मिक स्थलों का समान आदर-सम्मान एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इस्लाम धर्म में मस्जिदें हर दिन इबादत और दिन में कई बार जमात के साथ नमाज पढ़ने का मुख्य व अभिन्न अंग हैं।

विश्व के जिस नागरिक ने जीवंत महाभारत देखनी है वो कुरुक्षेत्र के महाभारत अनुभव केंद्र ज्योतिसर में आए : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विश्व का कोई भी नागरिक यदि महाभारत की कथा को आधुनिक तकनीक के जरिए अपने सामने जीवंत देखना चाहते हैं, तो वो कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर स्थित महाभारत अनुभव केंद्र में आएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस महाभारत अनुभव केंद्र का उद्घाटन किया था। महाभारत और भगवद्गीता की समृद्ध विरासत को समर्पित यह महाभारत अनुभव केंद्र हरियाणा के साथ-साथ देश के प्रमुख सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थलों में अपनी पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को ज्योतिसर के महाभारत अनुभव केंद्र में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने ज्योतिसर तीर्थ पर मथा टेका, विधि पूर्वक पूजा अर्चना करके प्रदेश की सुख शांति और समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण व राधा बने बच्चों को प्यार दिया।

नायब सिंह सैनी ने महाभारत अनुभव केंद्र का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके पश्चात गीता ज्ञान संस्थानम् परिसर में गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज की कथा में शिरकत की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाभारत अनुभव केंद्र का उद्देश्य महाभारत की महाकाव्य कथा और भगवद्गीता की कालजयी शिक्षाओं को पारंपरिक कहानी कहने और आधुनिक तकनीक के मेल से लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र लगभग 17 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें एक लाख वर्ग फुट से अधिक इनडोर स्थान है।

केरल में भयानक सड़क हादसा, खड़ी लॉरी से टकराई कार, तमिलनाडु के आठ इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

त्रिशूर ,(आरएनएस)। केरल के त्रिशूर में भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें तमिलनाडु के इंजीनियरिंग कॉलेज के आठ छात्रों की मौत हो गई। छात्र जिस कार में यात्रा कर रहे थे, वह देर रात त्रिशूर जिले के कैपामंगलम में नेशनल हाईवे 66 पर खड़े एक मालवाहक ट्रक से टकरा गई।

यह हादसा नेशनल हाईवे के उस हिस्से पर हुआ जहां निर्माण कार्य चल रहा है। यहां एक लॉरी हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान बनाए गए डायवर्जन के पास खड़ी थी। इस लॉरी में तमिलनाडु नंबर वाली कार पीछे से आकर टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार 8 लोग अंदर ही फंस गए।

हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय लोग और बचावकर्मी मौके पर पहुंचे। पीड़ितों को बाहर निकालने के लिए क्षतिग्रस्त वाहन को काटना पड़ा। माना जा रहा है कि कार में सवार सात लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि एक अन्य पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इसके बाद पुलिस और आपातकालीन कर्मियों ने शवों को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया। हादसे का शिकार हुए लोग तमिलनाडु के डिंडीगुल में पी.एस.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र थे।

सहारनपुर में मस्जिद गिराने की कार्रवाई असवैधानिक, कांग्रेस कानूनी लड़ाई लड़ेगी : इमरान मसूद

सहारनपुर (आरएनएस)। सहारनपुर में जिला प्रशासन कार्यालय परिसर में बनी अवैध मस्जिद को गिराए जाने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कार्रवाई को लेकर सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मस्जिद को गिराने की कार्रवाई सिर्फ धार्मिक स्थल से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि इसमें देश के कानून और संविधान का भी उल्लंघन हुआ है। सांसद इमरान मसूद ने कहा कि प्रशासन जिस जमीन को सरकारी कलेक्ट्रेट की जमीन बता रहा है, वह राजस्व रिकॉर्ड में आज भी वहीद खान और याकूब खान के नाम दर्ज है। उनके मुताबिक, इन्हीं की जमींदारी के दौरान मस्जिद का निर्माण हुआ था। मसूद ने कहा कि मस्जिद वक्फ बोर्ड में पंजीकृत थी, लेकिन कार्रवाई से जुड़े मामले में वक्फ बोर्ड को पक्षकार नहीं बनाया गया। कांग्रेस सांसद ने 'वक्फ बाय यूजर' के प्रावधान का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से किसी जमीन या इमारत का मस्जिद के तौर पर इस्तेमाल होता रहा हो तो उससे जुड़े दस्तावेज और लगातार नमाज जैसी गतिविधियां उसके धार्मिक स्वरूप को साबित करने में महत्वपूर्ण हैं। मसूद ने दावा किया कि मस्जिद करीब 70 साल से मौजूद थी और वहां लगातार नमाज अदा की जाती रही।

उन्होंने कहा कि यदि सरकार का दावा है कि मस्जिद सरकारी जमीन पर बनी थी, तो उसे उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर यह साबित करना चाहिए। मसूद ने कहा कि रिकॉर्ड सरकार के पास हैं और उसे अपने दावे को प्रमाणित करना चाहिए। मसूद ने कार्रवाई के तरीके पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि रात में मस्जिद को बंद कराया गया, वहां रखा सामान हटाया गया और इसके बाद रातभर में ढांचा गिरा दिया गया। उन्होंने कहा कि इलाके को घेर लिया गया था और लोगों को अपने घरों से निकलने की अनुमति नहीं थी। प्रशासन ने मलबा भी तुरंत हटा दिया। कांग्रेस सांसद ने इस कार्रवाई को 'असंवैधानिक' बताते हुए कहा, वे मस्जिद नहीं गिरा रहे हैं, वे देश के संविधान को गिरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामले में हाईकोर्ट के समक्ष वक्फ बोर्ड को उचित रूप से पक्षकार नहीं बनाया गया और कई महत्वपूर्ण पहलुओं को नजरअंदाज किया गया। मसूद ने यह भी कहा कि वह संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्य रहे हैं और 'वक्फ बाय यूजर' के मुद्दे से परिचित हैं।

सीएजी की रिपोर्ट ने बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा किया : जय राम ठाकुर

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता जय राम ठाकुर ने कहा कि इस हफ्ते राज्य विधानसभा में पेश की गई सीएजी की रिपोर्ट ने सुखविंदर सुक्खू सरकार के तहत बड़े पैमाने पर वित्तीय कुप्रबंधन और अनियमितताओं का पर्दाफाश किया है। एक बयान में ठाकुर ने कहा कि सीएजी रिपोर्ट में ऑनलाइन टेंडरिंग, खरीद और टैक्स कलेक्शन में गड़बड़ियों की ओर इशारा किया गया है, जिससे राज्य के खजाने को रेवेन्यू का नुकसान हुआ है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि सरकार हर मोर्चे पर बुरी तरह नाकाम रही है, चाहे वह ऑनलाइन टेंडरिंग हो, खरीद में पारदर्शिता हो या टैक्स कलेक्शन। राज्य को इन नाकामियों की कीमत रेवेन्यू के नुकसान के तौर पर चुकानी पड़ी है। मुख्यमंत्री को राज्य की जनता को इन खामियों के पीछे की वजहें बतानी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के फैसले राज्य के खजाने को नुकसान पहुंचाकर कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचाते दिख रहे हैं और सवाल उठाया कि सरकार की सरपरस्ती से किसे फायदा हो रहा है।

ठाकुर ने राज्य के बढ़ते रेवेन्यू और फिस्कल घाटे पर भी चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना बजट आवंटन के करीब 438 करोड़ रुपए खर्च किए गए, जबकि योजनाओं के लिए 673 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया, लेकिन असल में कोई खर्च नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सीएजी रिपोर्ट में बताई गई सबसे गंभीर गड़बड़ियां सरकारी विभागों और पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स द्वारा सामान, सेवाओं और कामों के लिए ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम के जरिए खरीद और टेंडरिंग से जुड़ी थी।

दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री का नेपाल दौरा, मंत्रिस्तरीय वार्ता प्रस्तावित

सोल (ए.)। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। इसी मुश्किल वक्त में दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून नेपाल के दौरे पर रहेंगे। उनका तीन दिवसीय दौरा शनिवार से शुरू हो रहा है।इस यात्रा के दौरान सबसे अहम मुद्दा नेपाल में लापता नौ दक्षिण कोरियाई नागरिकों का होगा। ये लोग 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा के पास रसुवा जिले में आई बाढ़ और भूस्खलन के बाद से लापता हैं। दक्षिण कोरियाई सरकार चाहती है कि उनकी तलाश के लिए चलाए जा रहे अभियान को और तेज किया जाए।योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि सोल के 9 कर्मचारी लापता हैं। जिसमें दुसान एनर्बिलिटी के छह और कोरिया साउथ-ईस्ट पावर के तीन कर्मचारी शामिल हैं। सभी एक जलविद्युत परियोजना के निर्माण स्थल पर काम कर रहे थे। अचानक आई बाढ़ और मलबे ने इलाके में भारी तबाही मचा दी, जिसके बाद इन कर्मचारियों का कोई पता नहीं चल पाया।विदेश मंत्री चो ह्यून नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनल से मुलाकात करेंगे। दोनों के बीच लापता नागरिकों की तलाश के अलावा बाढ़ से प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने और आगे की मदद को लेकर भी बातचीत होगी।इस दौरे का एक भावनात्मक पहलू भी है। चो ह्यून लापता दक्षिण कोरियाई नागरिकों के परिवारों से भी मुलाकात करेंगे। इन परिवारों के लिए हर गुजरता दिन उम्मीद और चिंता के बीच बीत रहा है।दक्षिण कोरिया ने नेपाल के बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए अतिरिक्त आपात राहत सामग्री भेजने का भी फैसला किया है। इसमें हजारों थर्मल कंबल शामिल हैं।बाढ़ ग्रस्त इलाकों में पहले से ही कोरिया डिजास्टर रिलीफ टीम (केडीआरटी) काम कर रही है और कंपनी के पदाधिकारियों से भी इनकी बातचीत जारी है, जो अपने स्तर पर राहत एवम् बचाव कार्य में लगी है।इस टीम को सरकार ने राहत एवम् बचाव कार्य के लिए रवाना किया था। ये नेपाल प्रशासन और कॉरपोरेट रिस्पॉन्स टीम के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अभियान में हेलीकॉप्टर, ड्रोन और खोजी कुत्तों के साथ ही विभिन्न उपकरण शामिल किए गए हैं। मंत्रालय के मुताबिक चो केडीआरटी से मिलकर उनका हौसला बढ़ाएंगे। नेपाल रवाना होने से पहले चो ने इंचियोन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कहा, 卐नेपाल की हालत बहुत खराब है। मैं वहां काम कर रहे कर्मचारियों से मिलूंगा और उन उपायों पर चर्चा करूंगा जिससे उनकी मदद हो सके।

भारत-जापान वायुसेना का संयुक्त युद्धाभ्यास, 9 से 22 सितंबर तक चलेगा अभ्यास

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय वायुसेना और जापान की वायुसेना के बीच द्विपक्षीय युद्धाभ्यास 'वीर गार्जियन 2026' का आगाज हो गया है। यह अभ्यास 9 सितंबर से 22 सितंबर 2026 तक जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना ने 'एक्स' पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी। वायुसेना ने बताया कि जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के दो सी-2 विमान जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे, इनके साथ जापानी दल इस अभ्यास के दूसरे संस्करण में शामिल होने के लिए भारत पहुंचा है। भारतीय वायुसेना ने कहा कि यह अभ्यास दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी तालमेल, ऑपरेशनल सहयोग और आपसी समझ को और बढ़ाएगा।

खार्ग द्वीप के पास ईरानी तेल टैंकर पर हमला : तेहरान का अमेरिका पर आरोप, बढ़ा तनाव

तेहराने(ए.)। ईरान के प्रमुख तेल टर्मिनल खार्ग द्वीप के आसपास शनिवार को कई धमाकों की आवाज सुनी गई। ईरान की मीडिया ने इसकी जानकारी दी। हालांकि धमाकों के स्रोत की तत्काल पुष्टि नहीं हो सकी।

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स के मुताबिक धमाकों की आवाज सुनाई दी, लेकिन घटनास्थल के ऊपर धुआं दिखाई नहीं दिया। वहीं, ईरानी समाचार एजेंसी एसएनएन ने दावा किया कि खार्ग द्वीप के पास एक ईरानी तेल टैंकर को अमेरिका ने निशाना बनाया।प्रेस टीवी के मुताबिक, स्थानीय सूत्र ने बताया कि खार्ग द्वीप से करीब छह समुद्री मील दूर एक ईरानी टैंकर पर अमेरिकी बलों की ओर से चार प्रोजेक्टाइल दागे गए। हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। टैंकर के चालक दल को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।अधिकारियों की ओर से फिलहाल टैंकर को हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। घटना की परिस्थितियों और हमले की प्रकृति की जांच की जा रही है। पिछले कुछ दिनों से अमेरिका और ईरान के बीच टकराव बढ़ गया है।सोमवार को अमेरिकी सैन्य बलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में लारक द्वीप पर हमला किया था, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई। मंगलवार को खुझेस्तान प्रांत के अहवाज और अघाजरी के आसपास तीन स्थानों पर अमेरिकी मिसाइल हमलों में सात लोगों की मौत और आठ अन्य के घायल होने का दावा किया गया था।इसी दिन होर्मोजगान प्रांत के कुहस्तक में एक रिहायशी इमारत को भी निशाना बनाए जाने की बात सामने आई। बताया गया कि उस समय वहां शादी का समारोह चल रहा था। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत और 68 लोग घायल हुए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे।इन हमलों के जवाब में ईरान के सशस्त्र बलों ने इराक, जॉर्डन, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। ईरान के खात्म अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई जारी रहती है तो ईरान की प्रतिक्रिया और अधिक व्यापक तथा गंभीर हो सकती है। ईरानी अधिकारियों ने अमेरिका के साथ सैन्य सहयोग करने वाले देशों को भी इसके संभावित परिणामों की चेतावनी दी है।खार्ग द्वीप ईरान के लिए बेहद रणनीतिक महत्व रखता है, क्योंकि यह देश के प्रमुख कच्चे तेल निर्यात टर्मिनलों में से एक है। ऐसे में इसके आसपास किसी भी सैन्य घटना से न केवल क्षेत्रीय तनाव बढ़ सकता है, बल्कि वैश्विक तेल आपूर्ति और ऊर्जा बाजार पर भी असर पड़ने की आशंका है।

रूस की वॉर विक्ट्री प्रतिमा से आहत जापान, मास्को से इसे हटाने का किया अनुरोध

टोक्यो (ए.)। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची और विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी ने शनिवार को रूस से खबारोव्स्क में लगाई गई 'वॉर विक्ट्री प्रतिमा' को हटाने की अपील की। इस मूर्ति में एक सोवियत सैनिक को 'क्रिसेंथेमम'

(गुलदाउदी के फूल जैसा) निशान वाले पत्थर के खंभे या मार्कर को नष्ट करते हुए दिखाया गया है।'क्रिसेंथेमम' का निशान जापान की पहचान माना जाता है। क्योडो न्यूज एजेंसी ने बताया कि ताकाइची का कहना है कि इसके विनाश को दिखाने वाले स्मारक को लगाना बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। वहीं, विदेश मंत्री ने एक बयान जारी कर कहा, 4 सितंबर को खाबरोव्स्क में लगाई गई कांस्य प्रतिमा में जापानी चिह्न को नष्ट करते दिखाना बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। ये प्रतिमा रचनात्मक नहीं कही जा सकती खासकर तब जब गुलदाउदी का फूल जो जापान को दर्शाता है। ये जापानी लोगों की भावनाओं को आहत करता है। हमने रूसी पक्ष से इसे हटाने का अनुरोध किया है। ये भी दुखद है कि अब तक उन्होंने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन जापान पूरी ताकत से इसके खिलाफ अपनी बात रखता रहेगा।

मक्का समझौते में शामिल होना बांग्लादेश के लिए ठीक नहीं, सौ बार करे विचार : रिपोर्ट

ढाका(ए.)। पाकिस्तान-सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुए मक्का संयुक्त रक्षा समझौते में बांग्लादेश के शामिल होने की अटकलों के बीच, एक रिपोर्ट ने उसे सतर्क रहने की सलाह दी है। चेतावनी दी गई है कि इस गठबंधन में शामिल होने से देश ऐसी सुरक्षा प्रतिबद्धताओं में फंस सकता है जो उसके राष्ट्रीय हितों के अनुकूल नहीं होगी।बांग्लादेशी दैनिक 'द डेली ऑब्जर्वर' की एक रिपोर्ट कहती है कि किसी भी जंग में शामिल होने से पहले देश को सौ बार सोचने की जरूरत होगी। बांग्लादेश के सामने चुनौती बड़ी है। उसे फैसला करना है कि क्या वह किसी दूसरे देश की सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बने या अपनी सुरक्षा प्राथमिकताएं खुद तय करे? उसे अपनी समझ-बूझ नहीं खोनी चाहिए और न ही खुद को किसी खतरनाक जाल में फंसने देना चाहिए।रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है, जब कोई देश किसी सैन्य गठबंधन में शामिल होता है, तो वह सिर्फ किसी दस्तावेज पर दस्तखत नहीं करता; बल्कि अपने

भविष्य के कुछ फैसले दूसरों के हाथों में सौंप देता है। पहली नजर में, ऐसी व्यवस्था दोस्ती, भाईचारे, आपसी सहयोग और सामूहिक सुरक्षा का भरोसा दिलाती हुई लग सकती है। लेकिन गहराई से देखने पर मुश्किल सवाल खड़े होते हैं। इसलिए, बांग्लादेश को 'मक्का जॉइंट डिफेंस' समझौते में शामिल करने पर हो रही बहस सिर्फ कूटनीतिक शिष्टाचार का मामला नहीं है। यह देश की सुरक्षा, संप्रभुता, अर्थव्यवस्था और लंबे समय से चली आ रही विदेश नीति से जुड़ा मामला है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया, एक मुस्लिम-बहुल देश होने के नाते, बांग्लादेश को स्वाभाविक रूप से सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के साथ सुरक्षा सहयोग का विचार आकर्षक लग सकता है। लेकिन देशों को भावनाओं के आधार पर नहीं चलाया जा सकता। उनका अस्तित्व आखिरकार भूगोल, अर्थव्यवस्था, सैन्य क्षमता और राष्ट्रीय हित की कठोर वास्तविकताओं पर निर्भर करता है।

बांग्लादेश फिलहाल सैन्य खतरे का सामना सीधे तौर पर नहीं कर रहा है, जबकि सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की की अपनी अलग-अलग सुरक्षा चिंताएं हैं। ईरान-सऊदी प्रतिद्वंद्विता, भारत-पाकिस्तान तनाव और इजरायल को लेकर तुर्की की सुरक्षा रणनीतियां उनकी अपनी वास्तविकताओं को दर्शाती हैं, जो बांग्लादेश की स्थिति से अलग हैं। 'द डेली ऑब्जर्वर' ने कहा कि इसलिए ढाका के लिए किसी दूसरे देश की सुरक्षा प्राथमिकताओं को अपनी प्राथमिकता बनाना नादानी होगी।

फीचर

हैंडस्टैंड करने से मिल सकते हैं कई स्वास्थ्य लाभ, जानिए कैसे

हैंडस्टैंड एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो न केवल आपके शरीर को ताकत देती है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करती है। इसमें शरीर को उल्टा करके संतुलन बनाना होता है। इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और खून का बहाव भी बेहतर होता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे आप रोजाना कुछ मिनट हैंडस्टैंड करके कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

मानसिक शांति के लिए हैंडस्टैंड करें

हैंडस्टैंड करने से आपका मन शांत होता है। जब आप उल्टे लटकते हैं तो आपके दिमाग को एक नई दृष्टि मिलती है, जिससे तनाव कम होता है और मानसिक शांति मिलती है।यह एक्सरसाइज आपके मन को स्थिर करने में मदद करती है और आपको सकारात्मक ऊर्जा देती है।नियमित रूप से कुछ मिनट हैंडस्टैंड करने से आप अधिक सतर्क और केंद्रित महसूस करेंगे, जिससे आपकी मानसिक क्षमता भी बढ़ती है।

शारीरिक संतुलन सुधारें

हैंडस्टैंड करने से शारीरिक संतुलन बेहतर होता है। इसमें शरीर का पूरा भार हाथों पर होता है, जिससे आपकी कलाईयों और कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

इसके अलावा यह आपके पेट की मांसपेशियों को भी ताकत देती है।

नियमित रूप से हैंडस्टैंड करने से आप अपने शरीर का संतुलन बेहतर कर सकते हैं और गिरने का डर कम होता है, जिससे आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

खून का बहाव बेहतर करें

हैंडस्टैंड करने से खून का बहाव बेहतर होता है। जब आप उल्टे लटकते हैं तो आपके सिर तक अधिक मात्रा में खून पहुंचता है, जिससे सिरदर्द जैसी समस्याएं कम होती हैं।

इसके अलावा इससे त्वचा को भी फायदा होता है क्योंकि त्वचा तक अधिक खून पहुंचता है, जिससे वह तरोताजा महसूस करती है।नियमित रूप से कुछ मिनट हैंडस्टैंड करने से आप अपने शरीर में खून के बहाव को सुधार सकते हैं और कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

पीठ दर्द से राहत पाएं

पीठ दर्द से राहत पाने के लिए भी हैंडस्टैंड बहुत फायदेमंद हो सकती है। इसमें आपकी पीठ की मांसपेशियां खिंचती हैं, जिससे दर्द में राहत मिलती है।

इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपकी रीढ़ की हड्डी को भी मजबूत करती है।

नियमित रूप से कुछ मिनट हैंडस्टैंड करने से आप अपनी पीठ की मांसपेशियों को मजबूत कर सकते हैं और कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इससे आपकी पीठ का दर्द भी कम होता है।

आत्मविश्वास बढ़ाएं

हैंडस्टैंड करने से आत्मविश्वास भी बढ़ता है। जब आप इस एक्सरसाइज को सफलतापूर्वक करते हैं तो आपके अंदर खुद पर विश्वास बढ़ता है। इससे आपका आत्म-सम्मान भी बढ़ता है और आप अन्य कार्यों में भी बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

नियमित रूप से कुछ मिनट हैंडस्टैंड करने से आप अपने आत्मविश्वास को मजबूत कर सकते हैं और जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

'दायरा' के मलयालम वर्जन में करीना कपूर खान की 'अजूनी' को अपनी आवाज़ देंगी पार्वती थिरुवोथु!

पार्वती थिरुवोथु अब एक्टिंग के बाद अपनी आवाज़ का जादू भी दिखाने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस 'दायरा' के मलयालम वर्जन में करीना कपूर खान के किरदार 'अजूनी' को अपनी आवाज़ देंगी। यह कोलैबोरेशन पार्वती के लिए खास है, क्योंकि इसी के साथ वह वॉइस एक्टिंग की दुनिया में अपना पहला कदम रखने जा रही हैं। सच्ची घटनाओं से प्रेरित 'दायरा' को नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर मेघना गुलज़ार ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले यश केसवानी, सीमा अग्रवाल और मेघना गुलज़ार ने मिलकर लिखा है।

फिल्म में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन लीड रोल्स में हैं और 'दायरा' 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। पार्वती के लिए यह मौका इसलिए भी खास है क्योंकि लंबे समय से वह वॉइस एक्टिंग करने का सपना देख रही थीं। अपने करियर में हमेशा लेयर्ड और चैलेंजिंग किरदारों को चुनने वाली पार्वती अब अपनी खास आवाज़ और परफॉर्मेंस की संवेदनशीलता के साथ 'अजूनी' को एक नया रंग देंगी। साथ ही, वह करीना कपूर खान की ओरिजिनल परफॉर्मेंस की आत्मा को भी बरकरार रखेंगी।अपने इस एक्सपीरियंस के बारे में बात करते हुए पार्वती थिरुवोथु ने कहा, 卐'दायरा' पर काम करना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। खासकर इसलिए क्योंकि मैं काफी लंबे समय से वॉइस एक्टिंग करना चाहती थी, इसके सपने देखती थी और हमेशा मुझे लगता था कि वॉइस एक्टिंग के बेहतरीन मौके शायद एनिमेशन फिल्मों या इसी तरह के प्रोजेक्ट्स में मिलेंगे। लेकिन मेरे लिए यह बेहद खूबसूरत सरप्राइज़ था कि मेरी इस जर्नी की शुरुआत करीना के लिए 'अजूनी' का किरदार निभाने से हो रही है।

नीति मोहन ने माहिया को बताया प्यार और अपनापन बयां करने वाला गीत, बोलीं- इसमें सच्चा एहसास है

प्लेबैक सिंगर नीति मोहन अपनी सुरीली आवाज से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। उनकी आवाज में रिकॉर्ड किया गया नया गीत माहिया जल्द आने वाली वेब सीरीज द रिवॉल्यूशनरीज में सुनाई देगा। यह गाना सीरीज की प्रेम कहानी को आगे बढ़ाते हुए उसके मुख्य किरदारों के बीच पनप रहे प्यार, अपनापन और गर्मजोशी को खूबसूरती से सामने लाता है।

माहिया में सीरीज के मुख्य किरदार सचिंद्र नाथ सान्याल और प्रतिभा लाहिड़ी के बीच पनपते रोमांस को दिखाया गया है। सचिंद्र नाथ सान्याल का किरदार रोहित सराफ निभा रहे हैं, जबकि प्रतिभा लाहिड़ी के किरदार में प्रतिभा रांटा नजर आएंगी। गाने में दोनों के बीच बढ़ते रिश्ते और एक-दूसरे के प्रति पैदा हो रहे खास एहसास को जगह दी गई है। माहिया एक लव सॉन्ग है, जो उस खुशी को बयां करता है, जब जिंदगी में कोई ऐसा शख्स आता है, जो आपके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। गीत के बोल बार-बार इसी भावना को दिखाते हैं कि प्यार करने वाले के लिए उसकी मोहब्बत ही सब कुछ होती है। इस गाने को आकाशदीप सेनगुप्ता ने संगीत दिया है। इसे नीति मोहन और तुषार जोशी ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल टोलिया लवराज सिंह और गौरव चक्रवर्ती ने लिखे हैं।नीति मोहन ने इस गीत को लेकर अपने अनुभव साझा किए और कहा, माहिया बहुत खूबसूरत और सुकून देने वाला गीत है। मुझे इसकी धुन और बोल में छिपी भावनाएं बेहद पसंद आईं। खास तौर पर यह बात अच्छी लगी कि गाने में शख्स उस महिला की यादों में खोया रहता है, जिससे वह प्यार करता है। वह महिला उसकी हर एहसास में है और गाने के जरिए वह उसे यह बताने की कोशिश करता है कि वह उसके लिए सब कुछ है।

क्या है ट्रेपेज क्लास ? जानिए इस एक्सरसाइज से मिलने वाले फायदे

ट्रेपेज क्लास एक अनोखी और मजेदार एक्सरसाइज है, जो न केवल आपके शरीर को मजबूत बनाती है, बल्कि आपके मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर करती है। इस क्लास में आप झूला जैसे उपकरणों का उपयोग करके अलग-अलग प्रकार के एक्सरसाइज करते हैं। यह न केवल आपके शरीर की ताकत बढ़ाता है, बल्कि आपके संतुलन और लचीलापन को भी सुधारता है। आइए इस एक्सरसाइज से मिलने वाले कुछ प्रमुख फायदों के बारे में जानते हैं।

शरीर की ताकत बढ़ाएं

ट्रेपेज क्लास में झूला जैसे उपकरणों का उपयोग किया जाता है, जिससे आपके शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।इस एक्सरसाइज से आप अपनी कलाई, कंधे और पीठ की मांसपेशियों को बेहतर तरीके से प्रशिक्षित कर सकते हैं।

इसके अलावा यह आपके शरीर की समग्र ताकत को भी बढ़ाता है। नियमित रूप से ट्रेपेज क्लास करने से आप अपनी मांसपेशियों को मजबूती प्रदान कर सकते हैं और शारीरिक संतुलन को सुधार सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य को सुधारें

ट्रेपेज क्लास न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी फायदेमंद होती है।जब आप झूला पर झूलते हैं तो आपके मस्तिष्क में खुशी देने वाले हार्मोन रिलीज होते हैं, जो

आपको खुश और तनावमुक्त महसूस कराते हैं। यह एक्सरसाइज आपके मनोबल को बढ़ाती है और आपको सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है।इसके अलावा यह आपकी एकाग्रता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को भी सुधारती है, जिससे आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।

संतुलन और लचीलापन सुधारें

झूला जैसी गतिविधियों को करने से आपका संतुलन और लचीलापन भी सुधरता है। जब आप झूला पर झूलते हैं तो आपको अपने शरीर का संतुलन बनाए रखना पड़ता है, जिससे आपकी कोर मांसपेशियां मजबूत होती हैं।इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपकी लचीलेपन की क्षमता को भी बढ़ाती है, जिससे आप अन्य एक्सरसाइज आसानी से कर सकते हैं।नियमित रूप से ट्रेपेज क्लास करने से आपका संतुलन और लचीलापन दोनों ही बेहतर होते हैं।

वजन नियंत्रित करें

अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो ट्रेपेज क्लास आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। इस एक्सरसाइज से अधिक मात्रा में कैलोरी बर्न होती हैं, जिससे आपका वजन नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके शरीर के ऊर्जा स्तर को भी तेज करती है, जिससे आप जल्दी वजन घटा सकते हैं।

नियमित रूप से ट्रेपेज क्लास करने से आपको अपनी फिटनेस के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है।

सामाजिक संबंध बनाएं

ट्रेपेज क्लास समूह में की जाने वाली गतिविधि होती है, जिससे आप नए लोगों से मिलते हैं और दोस्ती करते हैं। यह आपके सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

बिलासपुर में मटकी फोड़ कार्यक्रम में नोटों की बारिश, युवाओं की टोली पर लुटाए गए करीब सवा लाख रुपये

बिलासपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर मटकी फोड़ कार्यक्रम धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। गोंड़पारा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान युवाओं की टोली पर जमकर नोट बरसाए गए। नोट लुटाने का नजारा देखने और मौके पर पहुंची रकम बटोरने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई।

बताया जा रहा है कि गोंड़पारा में आयोजित मटकी फोड़ कार्यक्रम के दौरान करीब सवा लाख रुपये लुटाए गए। जैसे ही युवाओं की टोली मटकी फोड़ने के लिए आगे बढ़ी, वहां मौजूद लोगों ने उन पर नोटों की बारिश शुरू कर दी। देखते ही देखते पूरे इलाके में जश्न और उत्साह का माहौल बन गया।

मटकी फोड़ते ही होने लगी नोटों की बारिश

जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मटकी फोड़ने पहुंची टोली का उत्साह बढ़ाने के लिए लोगों ने नोट उड़ाए। इस दौरान जमीन पर गिरे नोटों को उठाने के लिए भी लोगों की भीड़ नजर आई।

कार्यक्रम का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवाओं की टोली के मटकी फोड़ने के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद दिखाई दे रहे हैं। नोटों की बारिश और भीड़ के बीच पूरा माहौल उत्सव में बदल गया।

बैंक खाते से 4.40 लाख की धोखाधड़ी से लेकर अवैध शराब और नशीली गोलियों तक कई मामले दर्ज

रायपुर,(आरएनएस)। राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने चोरी, धोखाधड़ी, अवैध शराब, आर्म्स एक्ट और नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में कार्रवाई की है। 4 सितंबर को दर्ज मामलों में तात्यापारा स्थित बैंक से फर्जी आधार कार्ड के जरिए 4.40 लाख रुपये निकालने का मामला सबसे गंभीर सामने आया। इसके अलावा पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में अवैध शराब, चाकू और प्रतिबंधित नशीली गोलियां जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

फर्जी आधार से खाते से निकाले 4.40 लाख रुपये

कोतवाली थाना क्षेत्र में आनंद कुंवर की शिकायत पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के मुताबिक 16 जुलाई को बैंक ऑफइंडिया, तात्यापारा शाखा में अज्ञात तीन लोगों ने प्रार्थी के नाम के जमा चेक का कथित तौर पर दुरुपयोग किया। आरोपियों ने प्रार्थी के नाम का फर्जी आधार कार्ड जमा कर उसके बैंक खाते से 4 लाख 40 हजार रुपये निकाल लिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उरला में बाइक चोरी

उरला थाना क्षेत्र में 22 अगस्त को शराब दुकान के पास से हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज हुई। विनोद यादव की शिकायत के अनुसार उनकी सीजी 11 बीव्ही 6438 नंबर की बाइक, जिसकी कीमत करीब 30 हजार रुपये है, अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डीडी नगर में 66 पाव देशी शराब जब्त

दीनदयाल उपाध्याय नगर थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए 66 पाव देशी शराब जब्त की। जोरापारा में सुलभ के पास से 34 पाव शराब, जिसकी कीमत 3,400 रुपये बताई गई है, बरामद की गई।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव ने रायपुर के लोक भवन, छत्तीसगढ़ मंडपम में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस ने महंगाई व चीनी की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ किया "चीनी सत्याग्रह"आंदोलन

जगदलपुर,(ए.)। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष के नेतृत्व में आज शनिवार को कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के द्वारा बढ़ती महंगाई एवं चीनी की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में सिरहासर चौंक में 卐चीनी सत्याग्रह卐 आंदोलन किया गया। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए और चीनी की बढ़ी हुई कीमतें तत्काल वापस लेने तथा महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग की।शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि, आम जनता पर महंगाई का बोझ लगातार बढ़ता ही जा रहा है। प्रदेश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली पीडीएस के तहत राशन की दुकानों पर चीनी उपलब्ध नहीं है, जिससे गरीब लोगों को इसे खुले बाजार से अधिक कीमत पर खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बस्तर संभाग में चना और गुड़ जैसी वस्तुएं भी महीनों से उपलब्ध न होने का आरोप लगाया गया। आम लोग और मध्यमवर्गीय परिवार खुले बाजार में 60 से 70 रुपये प्रति किलो की दर से शक्कर खरीदने को मजबूर हैं। गन्ने के रस को एथेनॉल उत्पादन में डायवर्ट किए जाने के कारण घरेलू बाजार में चीनी की आपूर्ति घटने लगी है और खुदरा कीमतें बढ़ने का मुख्य कारण भी गन्ने के रस से हो रहा एथेनॉल उत्पादन है।

इंडस्ट्रियल एरिया पहुंचे आयुक्त, वृक्षारोपण हेतु किया स्थल निरीक्षण, वृहद पैमाने पर वृक्षारोपण की योजना

कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में कोरबा को हरित कोरबा बनाने चल रहा अभियान

कोरबा (आरएनएस)। आयु आशुतोष पाण्डेय नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र की इंडस्ट्रियल एरिया में पहुंचे, उन्होने उद्योग संघ के पदाधिकारियों, सी.एस.आई.डी.सी. व निगम के अधिकारियों के साथ इंडस्ट्रियल एरिया का सघन भ्रमण करते हुये औद्योगिक क्षेत्र कोरबा में वृहद पैमाने पर वृक्षारोपण की योजना को अमलीजामा पहनाने स्थल का निरीक्षण किया तथा संबंधितों को सघन वृक्षारोपण को अमलीजामा पहनाने आवश्यक दिशा निर्देश दिये। यहॉं उल्लेखनीय है कि कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित कोरबा के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से '' एक पेड़ मॉं के नाम '' अभियान के अंतर्गत सघन वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है, जिसकी शुरूआत विगत 18 जुलाई को '' रन फार ग्रीन मैराथान '' का आयोजन कर की गई थी। नगर निगम कोरबा द्वारा विगत 18 जुलाई से प्रतिदिन लगातार वृक्षारोपण का कार्य सम्पूर्ण शहर में किया जा रहा है तथा अब तक 5000 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किये जाने के साथ ही लगभग 5000 बोगनवेलिया के पौधे कुल 10000 पौधों का रोपण किया जा चुका है। इंडस्ट्रियल एरिया में वृहद वृक्षारोपण - यहॉं उल्लेखनीय है कि कोरबा के खरमोरा स्थित इंडस्ट्रियल एरिया लंबे चैड़े क्षेत्रफल में फैला हुआ है, जहॉं पर काफी संख्या में पौधों का रोपण किया जा सकता है। इस क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण किये जाने से एक ओर जहॉं इंडस्ट्रियल क्षेत्र से उत्सर्जित हवाजनित अपशिष्ट का वृक्षों के माध्यम से प्रबंधन होगा, वहीं दूसरी ओर हरित कोरबा संकल्प को भी बल मिलेगा, इंडस्ट्रियल एरिया में प्रशासन द्वारा वृहद पैमाने पर वृक्षारोपण की योजना बनाई गई है, आज आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने उद्योग संघ के पदाधिकारियों, सी.एस.आई.डी.सी. व नगर निगम कोरबा के अधिकारियों के साथ सम्पूर्ण इंडस्ट्रियल एरिया का निरीक्षण किया, वृक्षारोपण हेतु स्थलों का चिन्हांकन किया तथा वहॉं पर वृक्षारोपण की योजना को अमलीजामा पहनाने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

प्रोजेक्ट दक्ष से स्मार्ट पुलिसिंग की ओर कांकेर पुलिस, 207 जवानों को मिला कंप्यूटर प्रशिक्षण

कांकेर (आरएनएस)। डिजिटल युग में पुलिसिंग को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा (भा.पु.से.) के निर्देशन में संचालित 'प्रोजेक्ट दक्ष' के तहत पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को कंप्यूटर एवं डिजिटल तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक 207 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जबकि 36 अधिकारी-कर्मचारी वर्तमान में प्रशिक्षणरत हैं।

पुलिस बल को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से पुलिस रक्षित केंद्र कांकेर में कंप्यूटर लैब भी स्थापित की गई है। यहां पुलिसकर्मियों को कंप्यूटर संचालन के साथ-साथ डिजिटल दस्तावेज प्रबंधन, ऑनलाइन कार्यप्रणाली, कार्यालयीन सॉफ्टवेयर और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

डिजिटल दक्षता बढ़ाना प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य

'प्रोजेक्ट दक्ष' का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बदलती तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। प्रशिक्षण के माध्यम से पुलिसकर्मियों की डिजिटल दक्षता, कार्यक्षमता और कार्यालयीन कार्यों की गति बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

सरस्वती शिशु मंदिर एचटीपीपी में गूंजा 'जय कन्हैया लाल की', धूमधाम से मनाया गया श्री कृष्ण जन्मोत्सव

नन्हे बाल गोपाल और राधा रानी की मनमोहक वेशभूषा ने मोहा मन

कोरबा (आरएनएस)। सरस्वती शिशु मंदिर दर्री, एचटीपीपी में श्री कृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुषमा बारस्कर की अध्यक्षता में किया गया। जन्मोत्सव के दौरान विद्यालय परिसर में भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं और भक्ति से जुड़ा उत्साह देखने को मिला। श्री कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर कक्षा अरुण से पंचम तक के बालकों ने भगवान श्री कृष्ण तथा बालिकाओं ने राधा रानी की मनमोहक वेशभूषा धारण की। नन्हे बाल गोपाल और राधा रानी के रूप में सजे बच्चों ने अपनी आकर्षक छवि से उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे कार्यक्रम को विशेष बना दिया।बच्चों ने श्री कृष्ण और राधा रानी के रूप में सजकर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति भी दी। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुतियों और उत्साह ने विद्यालय के वातावरण को आनंद और उमंग से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिभा और उत्साह देखने लायक रहा।श्री कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर विद्यालय के बड़े बच्चों के लिए मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक-बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता के दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला।प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय परिसर में 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष गूंजते रहे। बच्चों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ मटकी फोड़ प्रतियोगिता में भाग लिया और इस आयोजन का भरपूर आनंद उठाया। प्रतियोगिता ने जन्माष्टमी के पारंपरिक उल्लास को और भी जीवंत बना दिया।

खेल समाचार

आईएसएल 2026-27 सीजन का 10 अक्टूबर से आगाज, पुराने फॉर्मेट की हुई वापसी

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का 2026-27 सीजन 10 अक्टूबर से शुरू होगा और अगले साल मई तक चलेगा। इस बार टूर्नामेंट पुराने होम-एंड-अवे फॉर्मेट में खेला जाएगा। खास बात यह है कि इस सीजन का आयोजन नए क्लब-लीड मॉडल के तहत होगा, जिसमें क्लबों की भूमिका पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण रहेगी। इससे लीग को ज्यादा बेहतर तरीके से चलाने और क्लबों को अधिक अधिकार देने की कोशिश की जाएगी।

'ईएसपीएन' की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसएल द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि आगामी सीजन में 8 महीनों के दौरान 163 मैच खेले जाएंगे और लीग में फिलहाल 13 टीमें हिस्सा लेंगी।लीग स्टेज में सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। एक मैच अपने घरेलू मैदान और दूसरा विपक्षी टीम के मैदान पर होगा। लीग स्टेज खत्म होने के बाद अंक तालिका में सबसे ऊपर रहने वाली टीम को आईएसएल शील्ड विजेता घोषित किया जाएगा और उसे आधिकारिक आईएसएल चैंपियन का दर्जा मिलेगा।

इसके अलावा, लीग में पहला स्थान हासिल करने वाली टीम को एशियाई क्लब प्रतियोगिता में खेलने का मौका भी मिलेगा।इस सीजन में प्लेऑफ सिस्टम की भी वापसी होगी, जिसमें लीग चरण की शीर्ष 6 टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी। प्लेऑफ की विजेता टीम को आईएसएल कप चैंपियन का खिताब दिया जाएगा।टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमें- बेंगलुरु एफसी, चेन्नईयिन एफसी, चर्चिल ब्रदर्स एफसी, ईस्ट बंगाल एफसी, एफसी गोवा, इंटर काशी एफसी, केरल ब्लास्टर्स एफसी, मोहन बागान सुपर जाइंट, मुंबई सिटी एफसी, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी, ओडिशा एफसी, पंजाब एफसी और स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली होंगी।डायमंड हार्बर एफसी ने 2025-26 इंडियन फुटबॉल लीग का खिताब जीतकर आईएसएल में जगह बनाई थी, लेकिन क्लब इस सीजन में टूर्नामेंट नहीं खेल पाएगा। इसकी वजह यह है कि वह लीग में शामिल होने के लिए जरूरी प्रशासनिक शुल्क जमा करने की शर्त पूरी नहीं कर सका। इस कारण, प्रमोशन हासिल करने के बावजूद डायमंड हार्बर एफसी को आईएसएल 2026-27 सीजन से बाहर रहना पड़ेगा।लीग के प्रमोशन और रेलीगेशन स्ट्रक्चर के तहत, डायमंड हार्बर को स्टैंडिंग में सबसे नीचे रखा जाएगा और उन्हें सीजन के दौरान अंक हासिल करने की अनुमति नहीं होगी। आधिकारिक बयान के मुताबिक, डायमंड हार्बर एफसी सिर्फ इस सीजन का आईएसएल मौका ही नहीं गंवाएगा, बल्कि 2027-28 सीजन के लिए भी उसका आईएसएल दर्जा खत्म हो जाएगा। इसके बाद क्लब को दोबारा इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) में खेलना होगा।आईएसएल 2026-27 सीजन नए क्लब-लीड मॉडल के तहत खेला जाने वाला पहला सीजन होगा। इसका मतलब है कि लीग में हिस्सा लेने वाले क्लब अब प्रतियोगिता से जुड़े बड़े फैसलों और उसके भविष्य को तय करने में पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, होम-एंड-अवे फॉर्मेट की वापसी से क्लबों को अपने घरेलू मैदान पर ज्यादा मैच खेलने का मौका मिलेगा। इससे वे अपने प्रशंसकों के सामने खेल सकेंगे और उन्हें बेहतर समर्थन मिलेगा। वहीं, भारतीय फुटबॉल फैंस को भी आईएसएल का वही परिचित और लोकप्रिय फॉर्मेट फिर से देखने को मिलेगा, जिसमें हर टीम घर और बाहर दोनों जगह मुकाबले खेलती है।

फुटबॉल : भारत-पनामा के बीच फ्रेंडली मैच में बदलाव, जानिए अब किस दिन खेला जाएगा मुकाबला?

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और पनामा के बीच पुरुषों के इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच की तारीख में बदलाव हुआ है। यह मुकाबला पहले 26 सितंबर को होना था, लेकिन अब इसे 25 सितंबर को खेला जाएगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने रविवार को इसकी घोषणा की।एक मजबूत टीम के खिलाफ यह बहुप्रतीक्षित मैच बेंगलुरु के श्री कांतिरावा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जो फीफा मेंस इंटरनेशनल मैच विंडो का हिस्सा है। 'ब्लू टाइगर्स' का सामना 44वीं रैंक वाली उस पनामा टीम से होगा, जिसने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लिया था। फुटबॉल इतिहास में भारत और पनामा की टीमें पहली बार आमने-सामने होंगी। यह भारत के इतिहास में किसी कॉनकैफ (उत्तर, मध्य अमेरिका और कैरेबियाई फुटबॉल परिसंघ) टीम के खिलाफ 9वां मैच होगा।'लॉस कैनालेरोस' (पनामा टीम) ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लिया था। इस वजह से सितंबर का यह मैच उन चार मुकाबलों में पहला होगा जो भारत फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने वाली टीमों के खिलाफ खेलेगा और फिर 3 अक्टूबर को ब्राजील के साथ मैच होगा।

लंदन स्क्वैश क्लासिक : अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की शिवसांगरी से हारीं

लंदन (आरएनएस)। भारत की अनाहत सिंह का लंदन स्क्वैश क्लासिक में सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। मलेशिया की तीसरी सीड शिवसांगरी सुब्रमण्यम ने अनाहत को हराया। मौजूदा वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत मुकाबले की शुरुआत से ही खुद को मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रही थीं। शिवसांगरी ने रैलियों को नियंत्रित किया और लगातार अनाहत को कोर्ट के पीछे धकेलते हुए सिर्फ 17 मिनट में 11-4, 11-4 से जीत हासिल की। इस नतीजे के साथ यूएसडी 144,000 पीएसए गोल्ड इवेंट में अनाहत का सफर खत्म हो गया। भारतीय खिलाड़ी ने आठवीं सीड वाली बेल्जियम की नेले गिलिस को तीन गेम के कड़े मुकाबले में हराकर आखिरी आठ में जगह बनाई थी।

लंदन स्क्वैश क्लासिक की पूर्व चैंपियन शिवसांगरी अब सेमीफाइनल में दूसरी सीड वाली मिस्र की अमीना ओरफी से भिड़ेंगी। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन ओरफी, मलेशियाई खिलाड़ी का इंतजार कर रही हैं।

शिवसांगरी ने भारतीय युवा खिलाड़ी पर अपनी आसान जीत का क्रेडिट अपने टैक्टिकल अप्रोच और इंटेंसिटी बनाए रखने की क्षमता को दिया।

मलेशियाई खिलाड़ी ने स्क्वैशटीवी से कहा, मैं आज अपने खेल से खुश हूं। अनाहत बहुत प्रतिभावान खिलाड़ी है। उसने कुछ टॉप खिलाड़ियों को हराया है और उनमें से ज्यादातर को चुनौती दी है।

अनाहत के लिए, यह हार एशियन गेम्स में उनके लिए आने वाली चुनौती का शुरुआती संकेत भी देती है। शिवसांगरी अभी एशिया की सबसे ऊंची रैंक वाली खिलाड़ी हैं और उम्मीद है कि जब जापान में कॉन्टिनेंटल कॉम्पिटिशन शुरू होगा तो वह भारत की मुख्य मुश्किलों में से एक होंगी।

एशियन गेम्स में दांव खास तौर पर अहम होंगे, क्योंकि एकल गोल्ड मेडलिस्ट 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक्स के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करेंगी, जहां स्क्वैश का लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है।

एशियन गेम्स पर अपना पूरा ध्यान लगाने से पहले अनाहत को एक और टूर्नामेंट खेलना है। वह 12 सितंबर से कतर क्लासिक में हिस्सा लेने वाली हैं।

'चेपॉक में हमेशा खास एहसास होता है', दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले को लेकर तिलक वर्मा उत्साहित

चेन्नई (आरएनएस)। साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले के लिए चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) पहुंचकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि इस बड़े मुकाबले में खेलना उनके लिए बहुत खास अनुभव होगा। तिलक ईस्ट जोन के खिलाफ फाइनल में अपनी टीम की अगुवाई करेंगे और उनकी कोशिश साउथ जोन को खिताब दिलाने की होगी। तिलक ने चेपॉक के दर्शकों की तारीफ की और इस मैदान से जुड़ी अच्छी यादों का जिक्र किया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) डोमेस्टिक द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में तिलक ने कहा, हमारी यहां बहुत अच्छी यादें हैं और यह मैदान बहुत ऐतिहासिक रहा है। जब आप चेन्नई आते हैं, तो सबसे पहले माही भाई (एमएस धोनी) का ख्याल आता है। इसके साथ ही, मेरी यहां बहुत अच्छी यादें भी हैं। उन्होंने आगे कहा, चेन्नई के दर्शक सच में मुझे बहुत सपोर्ट करते हैं। चाहे मैं मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहा हूं या भारत के लिए, दर्शकों ने मुझे बहुत प्यार दिया है। इसी कारण यह मेरे लिए एक अच्छा संकेत है।तिलक ने इसी मैदान पर टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर 8 राउंड के मुकाबले में 16 गेंदों में 44 रनों की दमदार पारी खेली थी। उन्होंने आगे कहा, वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ भी मेरी यहां अच्छी यादें हैं। मैं कहूंगा कि वह मेरा वापसी वाला मैच था। उससे पहले, शुरुआती दो मैचों में मैं थोड़ा कमजोर महसूस कर रहा था। हालांकि, यहां से जब मैंने जिम्बाब्वे के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया, तो मेरी बैटिंग और मेरा आत्मविश्वास एक अलग ही स्तर पर पहुंच गया।तिलक ने इंग्लैंड के खिलाफ एक और यादगार मैच का जिक्र करते हुए कहा, भारत के लिए खेलते समय मेरा जर्सी नंबर 72 है। एक मैच में मैंने यहां 72 रन बनाए थे और टीम को जीत दिलाई थी। वह मैच इंग्लैंड के खिलाफ था। इसलिए चेन्नई मेरे लिए बहुत खास जगह है।तिलक ने इस बात पर जोर दिया कि बड़ी संख्या में दर्शकों के सामने दलीप ट्रॉफी फाइनल खेलना वाकई खास होगा, क्योंकि टीमों ने अपना पिछला मैच बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ग्राउंड पर बिना दर्शकों के खेला था। तिलक ने कहा, पिछले मैच में हमने दर्शकों के सामने खेलने की कमी महसूस की थी। मगर फिर, अब चेपॉक में फाइनल खेलने के दौरान मुझे उम्मीद है कि वहां बहुत भीड़ होगी। इसी वजह से यह वाकई खास होगा, क्योंकि जब भी मैं चेन्नई आता हूं, तो हमेशा उस भीड़ का इंतजार करता हूं।

यूएस ओपन : नवारो, टाउनसेंड, पेगुला, नोस्कोवा चौथे राउंड में

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। एम्मा नवारो ने यूएस ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए सातवीं सीड कैरोलिना मुचोवा को हरा दिया। वहीं, टेलर टाउनसेंड लगातार दूसरे साल चौथे राउंड में पहुंचीं। नवारो ने अपनी पहली मुलाकात में सातवीं सीड कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 7-5 से हराया। इस जीत के साथ नवारो ने चौथे राउंड में जगह बना ली है। छठी सीड लिंडा नोस्कोवा ने भी मुश्किल चुनौती का सामना किया। उन्होंने कोर्ट 17 पर अमेरिका की 29वीं सीड एन ली को 6-2, 6-7(6), 6-2 से हराया। 6-2, 3-0 की बढ़त के बाद नोस्कोवा पूरी तरह से नियंत्रण में दिखीं, लेकिन ली ने जबरदस्त वापसी करते हुए निर्णायक सेट में जगह बना ली। अमेरिकी खिलाड़ी ने दूसरे सेट के टाईब्रेक में फोरहैंड विनर से मैच पॉइंट भी बचाया और फिर मुकाबला बराबर कर दिया। नोस्कोवा ने तब नियंत्रण हासिल किया जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, और तीसरे सेट के आखिरी चार गेम जीत लिए।

सीपीएल 2026 : गुरबाज का अर्धशतक, अमेजन वॉरियर्स ने जमैका किंग्समेन को 8 विकेट से हराया

गुयाना (आरएनएस)। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 26वां मैच प्रोविडेंस क्रिकेट स्टेडियम में जमैका किंग्समेन और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच खेला गया। गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने 8 विकेट से जीत हासिल की। गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए जमैका किंग्समेन ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 159 रन बनाए थे। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए हसन खान ने मात्र 29 गेंदों पर 6 छक्के और 2 चौकों की मदद से नाबाद 62 रन की पारी खेली। इसके अलावा माज सदाकत ने 34 गेंदों पर 35 रन बनाए। केसी कार्टी ने 18, किमो पॉल ने 15, ओडियन स्मिथ ने 13 और उस्मान खान ने 10 रन बनाए। अमेजन वॉरियर्स के लिए ड्वेन प्रिटोरियस और खेरी पियरे ने 2-2 विकेट लिए। मोहम्मद नबी को एक विकेट मिला।

160 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी गुयाना अमेजन वॉरियर्स को सलामी बल्लेबाजों रहमानुल्लाह गुरबाज और मावेंद्र दिनदयाल ने पहले विकेट के लिए 4.3 ओवर में 46 रन जोड़कर मजबूत शुरुआत दी। दिनदयाल 17 गेंदों पर 4 छक्के और 1 चौके की मदद से 33 रन बनाकर आउट हुए। गुरबाज ने अर्धशतक लगाया। वह 35 गेंदों पर 3 छक्के और 5 चौके की मदद से 54 रन बनाकर आउट हुए। गुरबाज दूसरे विकेट के रूप में 12.2 ओवर में 114 के स्कोर पर आउट हुए। इसके बाद अमेजन ने विकेट नहीं गंवाया। कप्तान शाई होन ने 35 गेंदों पर नाबाद 39 और शिमरोन हिटमायर ने 17 गेंदों पर नाबाद 30 रन बनाकर और 30 गेंदों पर नाबाद 46 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी। अमेजन वॉरियर्स ने 17.2 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 160 का विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया।

नन्हे कदमों ने बिखेरी खुशियों की धुन, गुरु के सम्मान से गूंजा द चैम्प्स फन स्कूल

गीत, नृत्य और भावपूर्ण गुरु पूजा के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस

नर्मदापुरम (निप्र)। द चैम्प्स फन स्कूल में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास उमंग एवं सम्मानपूर्ण वातावरण में मनाया गया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति प्रेम, सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए गीतए नृत्य और गुरु पूजा के माध्यम से समारोह को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंच संचालन एवं एंकरिंग सुश्री स्वाति कहार द्वारा किया गया। प्री.प्राइमरी के नन्हे विद्यार्थियों ने चंदा चमके चम.चम और हुकुम का इक्का जैसे गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियाँ बटोरीं। वहीं प्राइमरी के विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में गीत प्रस्तुत कर उन्हें शिक्षक दिवस की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा की गई गुरु पूजा रही। बच्चे अपने घर से सुंदर सजी हुई थालियाँ लेकर आए थे। उन्होंने अपने शिक्षकों का कुमकुम से तिलक कियाए चावल एवं पुष्प अर्पित किए और प्रेमपूर्वक श्रीफल भेंट कर गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा एवं

सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती जूही चटर्जी एवं प्रिंसिपल डॉ आशीष चटर्जी सहित स्कूल कोऑर्डिनेटर श्रीमती रीना मालवीय एकेडेमिक कोऑर्डिनेटर सुश्री स्नेहा शर्माए एडमिन ऑफिसर श्रीमती विनीता जसलानी एवं वाइस प्रिंसिपल श्रीमती काकोली रे चौहान उपस्थित रहीं।अपने संबोधन में प्रिंसिपल डॉ आशीष चटर्जी ने गुरु.शिष्य संबंध की महत्ता बताते हुए कहा कि गुरु विद्यार्थियों को केवल शिक्षा ही नहीं देतेए बल्कि संस्कार जीवन.मूल्य और सही दिशा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सदैव अपने शिक्षकों का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की प्रभारी श्रीमती स्नेहा राजपूत एवं श्रीमती स्वाति राजपूत रहीं। उनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। नन्हे कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों और गुरु के प्रति उनकी भावपूर्ण श्रद्धा ने शिक्षक दिवस समारोह को यादगार बना दिया।

कुबेरेश्वरधाम पर राधा नाम संकीर्तन में उमड़ा आस्था का सैलाब

सीहोर (निप्र)। जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम में इन दिनों भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। पांच दिवसीय हरतालिका तीज श्री शिव महापुराण कथा के चौथे दिन अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कर्म के अटल सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को जीवन में अच्छे कर्म करने का संदेश दिया। वहीं धाम परिसर स्थित श्री मुरली मनोहर मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव के अंतर्गत आयोजित राधा नाम संकीर्तन में हजारों श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए।पंडित प्रदीप मिश्रा ने कथा के दौरान कहा कि इस सृष्टि में कर्म के विधान से कोई भी अछूता नहीं है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब भगवान ने भी धरती पर अवतार लिया तो उन्होंने भी मानवीय मर्यादाओं और कर्म के परिणामों का सामना किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने अच्छे और बुरे कर्मों का फल स्वयं ही भुगतना पड़ता है। इसलिए जीवन में सदैव अच्छे कर्म करने चाहिए।

स्प्रिंगडेल्स स्कूल में गुरुजनों के सम्मान में सजा भावनाओं का मंच

विद्यार्थियों ने कहा आपसे ही हमारा भविष्य

नर्मदापुरम (निप्र)। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल में गुरु के प्रति सम्मान श्रद्धा व कृतज्ञता की भावनाओं से सराबोर वातावरण में स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल एवं द चैंप्स फन स्कूल द्वारा संयुक्त रूप से शिक्षक दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों को समर्पित सांस्कृतिक प्रस्तुतियोंए मनोरंजक गतिविधियों और स्नेहिल भावनाओं के माध्यम से शिक्षक दिवस को यादगार बना दिया।कार्यक्रम की विशेषता रही कि कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने समारोह की पूरी जिम्मेदारी स्वयं संभाली। विद्यार्थियों ने अपनी नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं आयोजन कौशल का शानदार परिचय देते हुए कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित किया। खुशी सिंह एवं साक्षी रावत ने प्रभावशाली एंकरिंग के माध्यम से पूरे कार्यक्रम में ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।समारोह में विद्यालय के निदेशक डॉ आशीष चटर्जी एवं सुभाशीष चटर्जी जूही चटर्जी प्राचार्य मोना चटर्जी जनरल मैनेजर सोनल सोखी एवं उप प्राचार्य लक्ष्मी पलोहिया वहीं द चैंम्पस फन स्कूल से सीनियर कोऑर्डिनेटर रीना मालवीय और उप प्राचार्य काकोली रॉय चौहान एवं एकेडमिक कोऑर्डिनेटर स्नेहा शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ आशीष चटर्जी ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिशक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाले नहीं होते, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य को आकार देने वाले सच्चे मार्गदर्शक होते हैं। एक अच्छे शिक्षक की सीख विद्यार्थी के जीवन में लंबे समय तक मार्गदर्शन करती है। आज विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सम्मान में किया गया यह आयोजन उनके संस्कार, कृतज्ञता और गुरुजनों के प्रति सम्मान की भावना को दर्शाता है। कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने जिस आत्मविश्वास और जिम्मेदारी के साथ पूरे कार्यक्रम का संचालन किया, वह निश्चित रूप से प्रशंसनीय है। शिशक्षक दिवस को केवल औपचारिक समारोह तक सीमित न रखते हुए शिक्षकों के लिए विभिन्न रोचक खेल एवं मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। शिक्षकगण ने भी बच्चों की तरह उत्साह और उमंग के साथ इन गतिविधियों में सहभागिता की। खेल हंसी.मजाक और मनोरंजन से पूरा विद्यालय परिसर खुशनुमा वातावरण से भर उठा।इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने सभी शिक्षकों को स्नेह एवं सम्मान के प्रतीक स्वरूप उपहार भेंट किए। इसके पश्चात आयोजित सहभोज में विद्यालय प्रबंधन शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने साथ बैठकर इस विशेष दिन की खुशियां साझा कीं। पूरे आयोजन में विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। मंच संचालन से लेकर कार्यक्रम की व्यवस्थाओं तक प्रत्येक जिम्मेदारी विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ निभाई। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकगण ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता एवं आयोजन कौशल की सराहना की। शिक्षक दिवस समारोह को सफल बनाने में दीपिका वर्मा अरुणा सारठे सुरभि दुबे एवं सपना वर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सम्मान स्नेह उपहार खेल सहभोज और मुस्कुराहटों से सजा यह समारोह गुरु.शिष्य के आत्मीय रिश्ते का खूबसूरत उत्सव बन गया। विद्यार्थियों द्वारा अपने शिक्षकों के प्रति व्यक्त किया गया प्रेम सम्मान और आभार ही इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि रहा।

बच्चों को तराशकर उनका भविष्य बनाने वाले शिल्पकार होते है शिक्षक : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

विद्यार्थियों की सफलता ही शिक्षक के लिए सबसे बड़ी गुरु दक्षिणा, शिक्षक दिवस के अवसर पर कलेक्टर ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को किया सम्मानित

नर्मदापुरम (निप्र)। दिवस के अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला एसपीएम पहुंचकर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। उन्होंने शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों के जीवन को संवारने में गुरुजनों का विशेष स्थान होता है। शिक्षक केवल बच्चों को पाठ्यक्रम का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व और भविष्य का निर्माण भी करते हैं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि जिस प्रकार मिट्टी से घड़े अथवा मूर्ति बनाने वाला शिल्पकार मिट्टी के ढेर को तराशकर उसमें से सभी ऐब निकालता है और उसे एक सुंदर आकार प्रदान करता है, उसी प्रकार बच्चे भी शिक्षकों के पास एक अनगढ़ रूप में आते हैं। उन्हें तराशकर ज्ञान, संस्कार और योग्यताओं से परिपूर्ण बनाना शिक्षकों का महत्वपूर्ण दायित्व है।

उन्होंने कहा कि बच्चों को समाज और दुनिया के लिए तैयार करना शिक्षकों की बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षक ऐसा प्रयास करें कि जब विद्यार्थी विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन में सफलता हासिल करें, तो वे अपने गुरुजनों को कृतज्ञता के साथ याद करें। यही एक शिक्षक के लिए सबसे बड़ी गुरु दक्षिणा है और यही उसकी शिक्षक के रूप में भूमिका की वास्तविक सार्थकता है।

शिक्षक दिवस के अवसर पर जिले में संचालित ज्ञानार्पण के तहत प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला एसपीएम में विद्यार्थियों के लिए बेंच एवं डेस्क भेंट किए गए। नए फर्नीचर मिलने पर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यार्थियों ने तालियां बजाकर कलेक्टर सोमेश मिश्रा, लक्ष्मण सिंह बैंस, श्रीमती आरती बैंस एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों का अभिवादन किया। इस अवसर पर दिव्यांग विद्यार्थियों ने सांकेतिक भाषा के माध्यम से कलेक्टर श्री मिश्रा को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से विद्यालय में दान किए गए बेंच एवं डेस्क विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए गए। नए बेंच-डेस्क पाकर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम में आवश्यक दवाएं एवं चिकित्सा सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध

नर्मदापुरम (निप्र)। चिकित्सालय नर्मदापुरम में मरीजों के उपचार हेतु आवश्यक दवाएं एवं चिकित्सा सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। अस्पताल में दवाओं की कोई सामान्य कमी नहीं है तथा मरीजों को आवश्यकतानुसार दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।सिविल सर्जन जिला अस्पताल डॉ सुनीता कामले ने बताया कि दवाओं की आवश्यकता के अनुसार समय-समय पर ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से मांग प्रेषित की जाती है। प्राप्त दवाओं की आपूर्ति एवं स्टॉक का नियमित संधारण किया जाता है। आवश्यकता पड़ने पर स्थानीय स्तर पर लोकल परचेज के माध्यम से तथा अन्य शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं से दवाओं की व्यवस्था कर मरीजों के उपचार के लिए दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है।वर्तमान में भी आवश्यकता के अनुसार मेडिकल कॉलेज सिवनी से दवाएं मंगाकर उपलब्धता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया जारी है। विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया है कि एंटी स्नेक वेनम (सर्पदंश रोधी औषधि) की उपलब्धता निरंतर सुनिश्चित की गई है। आज दिनांक तक उपलब्ध स्टॉक के अनुसार रिंगर लैक्टेट 3696, इंजेक्शन मेरोपेनेम 400, इंजेक्शन डाइक्लोफेनाक 400, गॉज 100, आईवी नॉर्मल सलाइन 500 एमएल 500, इंसुलिन 30/70 की 550, सिल्क नंबर-1 (80म12) 960, इंजेक्शन सेफ्ट्रियाक्सोन 1 ग्राम 1700, 5 एमएल सिरिंज 15,000, लेटेक्स परीक्षण दस्ताने (एल) 9,500 तथा लेटेक्स परीक्षण दस्ताने (एम) 32,500 की उपलब्धता है।अस्पताल प्रबंधन द्वारा बताया गया कि मरीजों की सुविधा एवं उपचार की निरंतरता को ध्यान में रखते हुए दवाओं एवं चिकित्सा सामग्री के स्टॉक की नियमित समीक्षा की जा रही है। आवश्यकता के अनुरूप समय पर मांग प्रेषित करने के साथ ही वैकल्पिक माध्यमों से भी दवाओं की व्यवस्था की जा रही है, ताकि मरीजों को उपचार के दौरान आवश्यक औषधियां समय पर उपलब्ध हो सकें।

जिले में 1 जून से आज दिनांक तक 724.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में 1 जून 2026 से आज दिनांक को प्रात: 8 बजे तक जिले में 724.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई है।

गत वर्ष इसी अवधि में 1223.4 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई थी। तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन नर्मदापुरम ने बताया है कि 04 सितम्बर से 05 सितम्बर 2026 को प्रात: 8 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 17.2 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 11.0 मिलीमीटर, इटारसी 22.2 मिलीमीटर, माखननगर में 10.0 मिलीमीटर, सोहागपुर में 8.0 मिलीमीटर, पिपरिया में 12.4 मिलीमीटर, बनखेड़ी में 9.8 मिलीमीटर, पचमढी में 16.0 एवं तहसील डोलरिया 10.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन नर्मदापुरम ने बताया कि वर्तमान में सेठानी घाट का जलस्तर 942.20 फीट है, तवा जलाशय का 1155.60 फीट है, बरगी जलाशय का 422.05 मीटर एवं बारना जलाशय 346.91 मीटर दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है सेठानी घाट का अधिकतम जल भराव 967.00 फीट है, तवा जलाशय का अधिकतम जल भराव 1166.00 फीट है, बरगी जलाशय का जल भराव 422.76 मीटर है तथा बारना जलाशय का अधिकतम जल भराव 348.55 मीटर है।

कुपोषण उन्मुखीकरण को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यशाला संपन्न

अधिकारियों ने बताई परियोजनावार कार्ययोजना

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार शनिवार को कलेक्टर कार्यालय के रेवा सभाकक्ष में कुपोषण उन्मुखीकरण हेतु कार्ययोजना निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत जिले की सभी परियोजनाओं के परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों ने सहभागिता की। कार्यशाला में सभी परियोजनाओं द्वारा कुपोषण निवारण के लिए तैयार की गई परियोजनावार कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में कुपोषण की स्थिति, चिन्हित बच्चों एवं उनके पोषण स्तर में सुधार के लिए प्रस्तावित गतिविधियों की जानकारी दी गई। एम्स भोपाल की विशेषज्ञ टीम द्वारा पर्यवेक्षकों को कुपोषण की पहचान, रोकथाम एवं प्रभावी प्रबंधन के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कुपोषण से जुड़े विभिन्न पहलुओं, बच्चों के पोषण स्तर में सुधार तथा विभागीय गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई।

कार्यशाला के अंत में सभी परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों का ज्ञान मूल्यांकन परीक्षण भी आयोजित किया गया।

शिक्षक दिवस पर राज्य शिक्षक संघ ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

TET परीक्षा को लेकर शिक्षकों में नाराजगी, कानून समाप्त करने की मांग

सीहोर (निप्र)। राज्य शिक्षक संघ जिला सीहोर द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों पर लागू की जा रही TET परीक्षा के विरोध में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया गया। संघ के पदाधिकारियों ने शासन एवं विभाग की नीतियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित प्रावधान को शिक्षकों के हितों के विरुद्ध बताया।

राज्य शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विश्वजीत त्यागी ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षकों पर TET परीक्षा थोपना उचित नहीं है। उन्होंने शासन से मांग की कि शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उक्त कानून को तत्काल विधानसभा में विधेयक लाकर समाप्त किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार द्वारा इस कानून को समाप्त नहीं किया गया तो शिक्षक एवं कर्मचारी संगठन इसके खिलाफ उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

संघ की ओर से जिले के समस्त शिक्षकों से अपील की गई कि वे किसी भी परिस्थिति में TET परीक्षा का फॉर्म न भरें और संगठन की मांग के समर्थन में एकजुट रहें।

इस अवसर पर यशवंत ठाकुर, संजय सिंह जादौन, जागेश्वर भगत, जय सिंह ठाकुर, हरदयाल आजाद, चंदर सिंह ठाकुर, रमेश पवार, महेंद्र सोलंकी, चंद्रशेखर वर्मा, रितेश राठौर, दिनेश झाला, रमन तिवारी एवं नरेश गौर सहित अन्य पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

सैकड़ों राधा-कान्हा की चहल-पहल, समेरिटंस बना वृंदावन

प्री प्राइमरी में जन्माष्टमी उत्सव की धूम

नर्मदापुरम (निप्र)। समेरिटंस विद्यालय सांदीपनी परिसर में शनिवार में कुछ अलग ही वातावरण था। बच्चे रिमझिम फुहारों के बीच राधा-कृष्ण के रूप सजे-धजे विद्यालय पहुंचते रहे। बाद में सभी बच्चों को हॉल में एकत्रित किया गया और उसके बाद आरंभ हुआ जन्माष्टमी उत्सव। करीब एक घंटे चले कार्यक्रम में ऐसा लगा मानो विद्यालय में वृंदावन उतर आया हो। हर ओर अलग-अलग रूप-रंग में सजे राधा-कृष्ण नजर आ रहे हैं। सभी का रूप अलग, सभी का श्रृंगार अलग, सभी की चितवन अलग। कुल मिलाकर, वातावरण बहुत ही भावपूर्ण रहा। इस संबंध में प्री प्राइमरी प्रभारी श्रीमती स्वाती खम्परिया ने बताया कि बच्चों में सनातन के प्रति संस्कार देने के लिए जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। इस दौरान सभी अभिभावकों से अपील की गई थी कि वे बच्चों को राधा-कृष्ण के रूप में सजाकर भेजें। अभिभावकों में अपूर्व उत्साह देखा गया। सभी बच्चे स्वरूप में सजकर विद्यालय आए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम निश्चित रूप से हमारी संस्कृति को पुष्ट करते हैं। इससे बच्चों में संस्कार भी आते हैं। कार्यक्रम में बच्चों ने भगवान कृष्ण के भजन और उनकी जीवन लीला पर आधारित नृत्य भी प्रस्तुत किए। किन्हीं बच्चों ने श्लोक भी सुनाए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत ने कहा कि यह कार्यक्रम रोमांचित करने वाला है। एक साथ इतने बच्चों ने इस रूप में देखकर वे अभिभूत हैं।

उन्होंने प्रभारी श्रीमती खम्परिया सहित सभी शिक्षिकाओं की सराहना की। प्रमोद शर्मा ने कहा कि यह दृश्य देखना निश्चित रूप में अद्भुत है। ऐसा लग रहा है मानो वृंदावन के सारे ठाकुर एक साथ एक स्थान पर अवतरित हो गए हैं। बच्चों के इन रूपों ने सभी लोग मोह लिया है। कार्यक्रम को प्रभारी लीना देवासकर और कला शिक्षक राजेश व्यास ने भी संबोधित किया। उन्होंने कार्यक्रम और उसमें सहभागी रहे शिक्षकों और अभिावकों की प्रशंसा की। प्रभारी श्रीमती खम्परिया ने बताया कि राधा-कृष्ण के रूप में आए सभी बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा।

पश्चिम मध्य रेल

इंजीनियरिंग विभाग खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना कमांक:** डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी-166-2026, दिनांक: 31/08/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** सहायक मंडल अभियंता (उत्तर) सतना उप-मंडल के अंतर्गत रीवा में सीएनसी मशीन डिपो के लिए सिविल कार्यो का प्रावधान। (कार्य का भाग रीवा डिपो में व्हील लेथ मशीन की स्थापना हेतु रीवा आधारभूत संरचना का उन्नयन।), **कार्य का अनुमानित मूल्य:** 1,00,96,289/-, **बयाना राशि रूपये:** 2,01,900/-, **निविदा सूचना कमांक:** डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी-167-2026, दिनांक: 01/09/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** मंडल अभियंता (मध्य), जबलपुर एवं वरिष्ठ मंडल अभियंता (उत्तर), जबलपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत जबलपुर-कटनी, अनूपपुर-न्यू कटनी जंक्शन तथा न्यू कटनी जंक्शन-कटनी मुड़वारा सेक्शन के 07 प्रमुख महत्वपूर्ण पुलों पर पुल क्रमांक 1025/1 अप, 1025/1 डाउन, 1029/1 अप, 1029/1 डाउन, 1033/1 अप, 1033/1 डाउन एवं 1033/1 बॉक्स-एन तथा सतना-मानिकपुर सेक्शन के 02 पुलों पर पुल क्रमांक 1198/1 अप एवं 1198/1 डाउन में 1500 चौनल स्लीपरों को एच-बीम स्लीपरों से बदलने का कार्य।, **कार्य का अनुमानित मूल्य:** 5,13,06,165/-, **बयाना राशि रूपये :** 10,26,100/-, **निविदा सूचना कमांक :** डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी-168-2026, दिनांक : 01/09/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** मंडल अभियंता (पूर्व) जबलपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत तीन विविध कार्य भाग 1: सहायक मंडल अभियंता (मेंटेनेंस) कटनी सब डिविजन के अंतर्गत एस एस ई./टेलीकॉम/कटनी के परिसर में नए टेलीकॉम स्टोर के निर्माण सहित मौजूदा इन्फ्रास्ट्रक्चर का अपग्रेडेशन । [कार्य का भाग : जबलपुर मंडल में जबलपुर में नए टेलीकॉम स्टोर और कटनी डिपो (टेलीकॉम) में नए कमरे के निर्माण के माध्यम से एस एंड टी अवसंरचना का आधुनिकीकरण।, भाग 2: सहायक मंडल अभियंता (मेंटेनेंस) कटनी सब डिविजन के अंतर्गत कटनी-सिंगरौली सेक्शन में क्शन में ट्रैक के समानांतर एक्सल काउंटर की व्यवस्था हेतु रिले रूम का निर्माण (स्थान कटंगी खुर्द, सल्हना)। [कार्य का भाग कटनी-सिंगरौली खंड में स्टेशन यार्ड में ट्रैक सर्किट के समानांतर डिजिटल एक्सल काउंटरों की व्यवस्था करके सिस्टम रिडंडेंसी बढ़ाना ।], भाग 3: सहायक मंडल अभियंता ब्यौहारी सब डिविजन के अंतर्गत कटनी-सिंगरौली सेक्शन में ट्रैक के समानांतर एक्सल काउंटर की व्यवस्था हेतु रिले रूम का निर्माण (स्थान - निवास रोड-2, डुबरी कलां-1, ब्यौहारी-1, छतैनी-1), **कार्य का अनुमानित मूल्य :** 3,20,54,579/-, **बयाना राशि रूपये :** 6,41,100/-, **सभी निविदाओं की समापन अवधि :** 12 माह, **सभी निविदाओं को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे तक :** 25/09/2026, **सभी निविदाओं की खुलने का समय 15:15 बजे तिथि :** 25/09/2026 उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नही की जायेगी।

(हस्ता)

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com